Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 252
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 18 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिवस के अवसर पर... 4 हमारी दाल की कटोरी पर कनाडा - ऑस्ट्रेलिया ... 7 पाकिस्तान एशिया कप 2025 के बहिष्कार से ...

संक्षिप्त न्यूज

पायलट बोले- भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर कर रहे वोट चोरी, सरकार को जनता से मतलब नहीं

रांची **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की 'वोट चोर-गद्दी छोड़' यात्रा का आज दूसरा दिन रहा। बेलतरा में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि चुनाव आयोग और बीजेपी की मिलीभगत से करोड़ों वोटर्स के नाम काट दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग जिंदा हैं, उन्हें मरा बता दिया गया और उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया। बीजेपी वोट चोरी कर सत्ता में आई है। सचिन पायलट के साथ यात्रा में पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और ताम्रध्वज साहू भी शामिल रहे। पायलट ने गुटबाजी के सवाल पर कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस में किसी तरह का मतभेद नहीं है, सभी नेता एक मंच पर एकजुट होकर मजबूती से लड़ाई लड़ रहे हैं। पायलट ने कहा कि भाजपा सरकार को जनता से कोई लेना-देना नहीं है। न बिजली, न खाद, न अस्पताल... सरकार केवल सत्ता बचाने के लिए वोट चोरी कर रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस करोड़ों लोगों का हस्ताक्षर अभियान चला रही है, जिसे दिल्ली ले जाकर चुनाव आयोग को सौंपा जाएगा। रायगढ़ में पायलट ने भाजपा पर एक और बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि 'जिस दिन कांग्रेस बहुमत से दूर रही और भाजपा ने अभी शपथ भी नहीं ली थी, उसी दिन कुछ चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए पेड़ों की कटाई शुरू कर दी गई। यह जंगल और देश की संपत्ति की चोरी है।' सचिन पायलट ने साफ कहा कि कांग्रेस पार्टी वोट चोरी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और इसी वजह से यह यात्रा निकाली जा रही है।

त्योहारों में स्वदेशी खरीदें!

पीएम मोदी ने कहा - आत्मनिर्भर भारत ही विकसित भारत का रास्ता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने 75वें जन्मदिन के अवसर पर देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपनी अपील दोहराई ताकि विकसित भारत के मिशन को साकार किया जा सके। मध्य प्रदेश के धार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत ही 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने का मार्ग है। उन्होंने कहा, 'यह त्योहारों का समय है। आपको स्वदेशी उत्पादों के मंत्र को दोहराते रहना होगा... मेरा अनुरोध है कि 140 करोड़ भारतीय, आप जो भी खरीदें, वह भारत में बना हो... आप जो भी खरीदें, उसके निर्माण के पीछे किसी भारतीय का पसीना हो।

मोदी ने कहा कि आप जो भी खरीदें, उसमें भारत की मिट्टी की खुशबू हो। मैं 2047 तक विकसित भारत बनाने में आपका सहयोग चाहता हूँ। विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भर भारत से होकर गुजरता है। महात्मा गांधी द्वारा स्वदेशी के प्रयोग को याद करते

हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, 'महात्मा गांधी ने स्वदेशी को स्वतंत्रता का माध्यम बनाया और अब हमें स्वदेशी को विकसित भारत की नींव बनाना है।' स्वदेशी के अपने बार-बार आह्वान के पीछे तर्क देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय बाजारों में चल रहे धन का उपयोग विकास परियोजनाओं में निवेश के लिए किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब हम भारत में निर्मित उत्पाद खरीदते हैं, तो हमारा पैसा देश में ही रहता है... और उस धन का उपयोग सड़कें, स्कूल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने और गरीब व विधवा माताओं की मदद के लिए किया जा सकता है। इस महीने की शुरुआत में, जब केंद्र सरकार ने जीएसटी सुधारों की शुरुआत की, तो प्रधानमंत्री ने गर्व से कहो ये स्वदेशी है थीम पर ज़ोर दिया और सांसदों से दिवाली और नवरात्रि के दौरान 'स्वदेशी मेले' आयोजित करने का आग्रह किया ताकि भारतीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जा सके और लोगों को उन्हें खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक सांसद को अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक क्षेत्र में एक प्रदर्शनी आयोजित करनी चाहिए और स्थानीय कारीगरों, सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों तथा स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हर दुकान पर एक बोर्ड लगा होना चाहिए जिस पर लिखा हो, 'गर्व से कहो, ये स्वदेशी है'। राज्य सरकारों को इसके लिए अभियान चलाना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, '22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन से, नए जीएसटी सुधार लागू होंगे। हमें भारतीय उत्पाद खरीदकर इनका लाभ उठाना होगा।'

मराठवाड़ा-विदर्भ में फसलों का संकट, कांग्रेस नेता ने सरकार से 'भीगा अकाल' घोषित करने की अपील की

मुंबई। कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने महाराष्ट्र सरकार से तुरंत राज्य में 'भीगा अकाल' घोषित करने और प्रभावित किसानों को प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपये की मदद देने की मांग की है। विजय वडेट्टीवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर कहा कि अगस्त और सितम्बर में हुई भारी बरसात से राज्य के 30 जिलों में लगभग 17.85 लाख हेक्टेयर कृषि

भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने कहा, 'किसानों को न तो कर्जमाफी मिली है और न ही उनकी फसलें बची हैं। वे गहरे संकट में हैं और उन्हें तुरंत राहत की आवश्यकता है।'

मराठवाड़ा और विदर्भ सबसे ज्यादा प्रभावित

कांग्रेस नेता ने बताया कि सबसे अधिक नुकसान मराठवाड़ा और विदर्भ के किसानों को हुआ है। यहां सोयाबीन, मक्का और कपास की फसलें बर्बाद हो गईं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय पर मदद नहीं मिली तो आने वाला रबी सीजन भी खतरे में पड़ सकता है।

कांग्रेस नेता ने राहत के लिए रखी ये मांगें

कांग्रेस नेता ने राज्य सरकार से मांग की कि बैंकों से किसानों की वसूली तुरंत रोकी जाए, बीमा कंपनियों को आदेश दिया जाए कि वे फसल नुकसान का मुआवजा जल्द से जल्द दें और किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में हुई राज्य की कैबिनेट बैठक में इस विषय पर कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया, जिससे किसानों में गहरी निराशा है।

महाराष्ट्र में बारिश का हाल

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मराठवाड़ा क्षेत्र, जहां सामान्यतः कम बारिश होती है, वहां इस बार 17 जून से 17 सितम्बर तक 717.4 मिमी बारिश हुई है। यह औसत अनुमानित बारिश (607.6 मिमी) से लगभग 118इ अधिक है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने डूसू परिणामों के बाद विजय जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 19 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के नतीजों के बाद उम्मीदवारों और छात्र संगठनों द्वारा राष्ट्रीय राजधानी के किसी भी हिस्से में विजय जुलूस निकालने पर बुधवार को रोक लगा दी।

मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि अदालत चुनाव में हस्तक्षेप नहीं कर रही लेकिन अगर चुनाव 'संतोषजनक क्रम' में नहीं हुए तो दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के पदाधिकारियों के कामकाज पर रोक लगाई जा सकती है।

पीठ ने कहा, 'हम चुनाव में हस्तक्षेप नहीं कर रहे लेकिन अगर चुनाव संतोषजनक क्रम में नहीं हुए तो हम पदाधिकारियों के कामकाज पर रोक लगा सकते हैं।' पीठ ने दिल्ली पुलिस, डीयू अधिकारियों और नागरिक प्रशासन को निर्देश दिया कि वे डूसू चुनावों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी संभव व स्वीकार्य कदम उठाएं तथा यह सुनिश्चित करें कि चुनावों के दौरान नियमों का कोई उल्लंघन न हो।

अगली पीढ़ी का जीएसटी, आम आदमी के लिए तोहफा! वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं, 2 लाख करोड़ से बढ़ेगी खरीदारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में बदलाव से आम लोगों के हाथों में 2 लाख करोड़ रुपये आएंगे, जिससे विवेकाधीन खर्च बढ़ने की संभावना का संकेत मिलता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि अगली पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों ने अर्थव्यवस्था में दो लाख करोड़ रुपये डाले हैं, जिससे लोगों के पास अधिक नकदी उपलब्ध हुई है। अन्यथा यह राशि कर चुकाने में चली जाती। अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर एक परिचर्चा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि कर सुधारों के बाद 12 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के तहत आने वाली 99 प्रतिशत वस्तुओं पर पांच प्रतिशत कर लगाया गया है। इस बदलाव के परिणामस्वरूप 28 प्रतिशत कर स्लैब के तहत 90 प्रतिशत वस्तुएं 18 प्रतिशत स्लैब में आ गई हैं। उन्होंने कहा, ''इस नई पीढ़ी की कर व्यवस्था, जिसमें केवल दो स्लैब (पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत) हैं, से अर्थव्यवस्था में दो लाख करोड़ रुपये आए हैं। लोगों के पास ज्यादा नकदी होगी।'' मंत्री ने कहा कि जीएसटी राजस्व 2025 में बढ़कर 22.08 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा, जो इसके लागू होने के समय 7.19 लाख करोड़ रुपये था। उनके अनुसार, करदाताओं की संख्या पहले के 65 लाख से बढ़कर 1.51 करोड़ हो गई है। बजट 2025 में आयकर में राहत के बाद, मोदी सरकार ने 22 सितंबर से लागू होने वाले जीएसटी 2.0 की घोषणा की, जिसके स्लैब में बदलाव होगा - आम इस्तेमाल की वस्तुओं पर 5 प्रतिशत और बाकी सभी वस्तुओं पर 18 प्रतिशत।

प्रशांत किशोर का तीखा वारः

मोदी, राहुल, तेजस्वी 'एक्सपायरी दवा', नहीं खत्म कर सकते भ्रष्टाचार-बेरोजगारी

पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव को 'एक्सपायरी दवाइयाँ' करार देते हुए आरोप लगाया कि वे भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को खत्म नहीं कर सकते। किशोर ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि यह अच्छी बात है कि बिहार में पहली बार नेताओं के मन में यह डर है कि अगर वे जनता के बीच नहीं जाएँगे तो जनता उन्हें वोट नहीं देगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जैसे नेता एक्सपायरी दवाइयों की तरह हैं। वे भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को खत्म नहीं कर सकते।

बिहार विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होंगे। मुख्य मुकाबला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले मौजूदा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के बीच है। 243 सदस्यों वाली वर्तमान बिहार विधानसभा में, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 131 विधायक हैं, जिसमें भाजपा के 80 विधायक, जेडी(यू) के 45, हम (एस) के 4 और 2 निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन शामिल है। महागठबंधन के सदस्यों की संख्या 111 है, जिसमें राजद के 77 विधायक, कांग्रेस के 19, भाकपा (माले) के 11, माकपा के 2 और भाकपा के 2 विधायक हैं।

इस बीच, राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को युवा बेरोजगारी के खिलाफ 'अधिकार यात्रा' की शुरुआत की और महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करने, शिक्षकों के सम्मान और बिहार में स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने का आह्वान किया। राजद सांसद संजय यादव के अनुसार, यह रैली उन जिलों में निकाली जा रही है, जो कांग्रेस के राहुल गांधी द्वारा आयोजित 'मतदाता अधिकार यात्रा' में शामिल नहीं थे, जिसमें राजद ने भी भाग लिया था।

राजद विधायक ने एएनआई को बताया, 'मतदाता अधिकार यात्रा के बाद कुछ जिले छूट गए थे, जिसमें वहाँ के हमारे तमाम कार्यकर्ता और नेता आए और कहा कि ये जिले छूट गए हैं,

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ता बिहारः सोलर होगा गेमचेंजर

पटना। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार लगातार सुशासन और विकास के नए आयाम गढ़ रही है। सड़क, बिजली और पानी को आधार बनाकर शुरू हुई उनकी यात्रा अब सस्टेनेबल एनर्जी की ओर बढ़ रही है। यही वजह है कि आज बिहार न केवल प्रदेशवासियों को 24 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने में सफल हो रहा है, बल्कि आने वाले समय में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी कदम लगातार बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह सोच उन्हें उन देश के चुनिंदा नेताओं में खड़ा करती है जो विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चलने का अनूठा विज़न रखते हैं।

बिहार को मिला देश का सबसे बड़ा बैटरी आधारित सोलर प्लांट'

लखीसराय जिले के कजरा में देश का सबसे बड़ा बैटरी आधारित सोलर बिजली घर समय से पहले तैयार हो चुका है। दो चरणों में विकसित इस परियोजना की कुल क्षमता 301 मेगावॉट सौर ऊर्जा और 495 श्ें बैटरी स्टोरेज है।

सीएम एमके स्टालिन का भाजपा पर हमला, कहा- उनका तमिलनाडु में प्रवेश वर्जित

करूर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा पर तमिलनाडु में प्रवेश वर्जित है। उन्होंने डीएमके की ओर से केंद्र सरकार शब्द का प्रयोग किए जाने की वजह भी बताई। डीएमके के मुप्पेरुम विझा को संबोधित करते हुए स्टालिन ने हिंदी थोपने, केंद्र द्वारा तमिलनाडु को एनईईटी से छूट देने से इनकार करने, राज्य को शिक्षा निधि जारी न करने और कीलाडी निष्कर्षों की प्राचीनता को छिपाने जैसे मुद्दे गिनाए। उन्होंने कहा कि इसलिए भाजपा के लिए तमिलनाडु में प्रवेश वर्जित है। उन्होंने कहा कि राज्य राष्ट्र की मजबूत नींव का निर्माण करते हैं, हम इस बात पर जोर देते हैं। इसलिए डीएमके केंद्र सरकार शब्द का प्रयोग करती है।

एआईएडीएमके को लेकर उन्होंने कहा कि इस पार्टी की स्थापना के वक्त जब इसकी विचारधारा के बारे में पूछा गया था तो पार्टी ने कहा था कि अन्नावाद द्रविड़ नेता सीएन अन्नादुरई के सिद्धांत इसकी विचारधारा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पलानीस्वामी के शासन में यह आदिमयवाद (दासता) बन गया। पलानीस्वामी ने अब केंद्रीय मंत्री अमित शाह के सामने पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दिया है।

स्टालिन ने कहा कि बदलाव का वादा करने वाली कई पार्टियां गायब हो गई हैं, लेकिन डीएमके मजबूत बनी हुई है। तमिलनाडु भाजपा के लिए नो-एंट्री जोन है। इस राज्य में डीएमके को कोई नहीं हरा सकता। करूर सिर्फ एक ज़िला नहीं, बल्कि डीएमके की अपनी जमीन है।

उन्होंने कहा कि 2019 के बाद से डीएमके ने अपने सभी चुनावों में जीत हासिल की है। यह कोई सामान्य जीत नहीं है। हमने सभी दुश्मनों को हिलाकर रख दिया है। यह जीत 2026 के विधानसभा चुनाव में भी जारी रहेगी। द्रविड़ मॉडल 2.0 शासन जरूर बनेगा।

पराली जलाने पर अब हो सकती है गिरफ्तारी, प्रदूषण को लेकर एससी सख्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सीएक्यूएम, सीपीसीबी और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निर्देश दिया कि वे सर्दियों के मौसम की शुरुआत से पहले, जब प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है, तीन हफ्तों के भीतर वायु प्रदूषण को रोकने के उपाय पेश करें। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में रिक्तियों को लेकर राज्यों की खिंचाई की

और उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब जैसे राज्यों को तीन महीने के भीतर इन पदों को भरने को कहा। पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को भी इसी तरह के निर्देश दिए। हालाँकि, इसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों, सीएक्यूएम और सीपीसीबी में पदोन्नति के पदों को भरने के लिए छह महीने का समय दिया। सीएक्यूएम केंद्र द्वारा गठित एक वैधानिक निकाय है और इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और उसके आसपास के क्षेत्रों, जिनमें पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्से शामिल हैं, में वायु गुणवत्ता का प्रबंधन और सुधार करना है। पीठ इन प्राधिकरणों में रिक्त पदों को भरने से संबंधित एक स्वतः संज्ञान याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

तेजस्वी का तीखा वारः

बिहार में अपराधी 'विजय' और 'सम्राट' बन गए, कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल

नई दिल्ली। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार के उपमुख्यमंत्रियों विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी पर राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य में अपराधी विजय और सम्राट बन गए हैं। 'बिहार अधिकार यात्रा' के दूसरे दिन एएनआई से बात करते हुए, यादव ने कहा कि जनता राज्य की 'भ्रष्ट' सरकार से तंग आ चुकी है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनता भ्रष्ट सरकार से तंग आ चुकी है। बिना रिश्वत दिए कोई काम नहीं होता... राज्य में कोई भी सुरक्षित महसूस नहीं करता। अपराधी 'विजय' और 'सम्राट' बन गए हैं। जनता बेरोजगारी और महंगाई से त्रस्त है। बिहार की जनता 20 साल पुरानी 'खटारा' सरकार से बदला लेगी। आगामी चुनावों में एनडीए की हार होगी।

तेजस्वी यादव ने दावा किया कि अगर उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में आती है तो वह राज्य के हर डिग्रीधारक को नौकरी और रोजगार के अवसर देंगे। राजद नेता ने ज़ोर देकर कहा कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आई, तो कोई भी डिग्रीधारी व्यक्ति घर पर बेकार नहीं बैठेगा; सभी के पास नौकरी और रोज़गार के अवसर होंगे। तेजस्वी जो कहते हैं, वो करते हैं। अगर हम सत्ता में आए, तो राज्य से बेरोज़गारी मिटाने के लिए रोज़गार देंगे। यादव ने आगे विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी पार्टी को जनता का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमें जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है... अपराधी 'विजय' और 'सम्राट' बन गए हैं... राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नहीं है।

16 सितंबर को, तेजस्वी यादव ने युवाओं की बेरोज़गारी दूर करने, महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करने, शिक्षकों के सम्मान और बिहार में स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 'बिहार अधिकार यात्रा' शुरू की। यह रैली उन ज़िलों में जा रही है जो कांग्रेस द्वारा आयोजित 'मतदाता अधिकार यात्रा' से छूट गए थे। यह रैली 16 सितंबर को जहानाबाद से शुरू हुई और 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी।

फोर्ड का बड़ा ऐलान : ईवी की कमजोर मांग, 1, 000 कर्मचारियों की करेगी छंटनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। फोर्ड मोटर कंपनी ने जर्मनी के कोलोन स्थित अपने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्लांट में 1, 000 तक नौकरियों में कटौती करने का ऐलान किया है। कंपनी का कहना है कि यह कदम इसलिए उठाना पड़ा क्योंकि यूरोप में बैटरी से चलने वाली कारों की बिक्री उम्मीद से काफी कम रही है।

कोलोन प्लांट, जहां इलेक्ट्रिक एक्सप्लोरर एसयूवी का उत्पादन होता है, जनवरी 2026 से दो शिफ्टों के बजाय केवल एक शिफ्ट में काम करेगा।

कर्मचारियों पर असर कम करने के लिए फोर्ड स्वैच्छिक प्रस्थान और बायआउट पैकेज का विकल्प देने की कोशिश करेगी। फोर्ड ने स्वीकार किया है कि भारी निवेश के बावजूद यूरोप में इलेक्ट्रिक कारों की मांग उद्योग के अनुमान से कम रही है। कंपनी ने कोलोन प्लांट को ईवी हब बनाने के लिए 2 बिलियन (2.3 बिलियन यूरो) का निवेश किया था लेकिन बिक्री की गति निराशाजनक रही है।

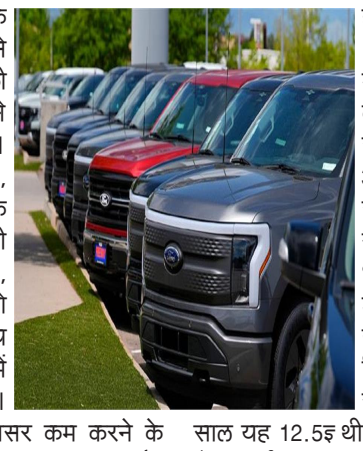

विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च कीमतें, चार्जिंग स्टेशनों की कमी और जर्मनी में सब्सिडी की वापसी ने ईवी की ग्रोथ को धीमा कर दिया है। जुलाई 2025 तक यूरोप में ईवी की हिस्सेदारी 15.6इ रही, जबकि पिछले साल यह 12.5इ थी। फोर्ड ने जनवरी से जुलाई 2025 तक कुल 2.6 लाख वाहन बेचे, जो केवल 0.7इ की मामूली बढ़त है। कंपनी का यूरोपीय बाजार हिस्सा 3.3इ पर स्थिर है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर Shiv Sena UBT का कटाक्षः

जश्न नहीं, गरीबी-बेरोजगारी पर चिंतन की जरूरत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' ने नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री पर कटाक्ष किया है और देश भर में मनाए जा रहे जश्न पर सवाल उठाए हैं। सामना के संपादकीय में देश में गरीबी और बेरोजगारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की गई है और प्रधानमंत्री मोदी के समर्थकों से इन मुद्दों पर चिंतन करने को कहा गया है। इसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री मोदी 75 साल के हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के सदस्य पीएम मोदी का 75वां जन्मदिन मना रहे हैं। अपने नेता का जन्मदिन मनाने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन क्या आज देश में इतना स्वच्छ माहौल है कि लोग पीएम मोदी का जन्मदिन मनाएँ और वह शुभकामनाएँ स्वीकार करें?

'सामना' में कहा गया है कि मोदी 11 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं। मोदी और उनके भक्तों को अब यह सोचना चाहिए कि उन्होंने इन 11 सालों में देश

को क्या दिया है। सामना ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को हर महीने राशन बांट रही है, जिससे पता चलता है कि एक बड़ी आबादी गरीबी रेखा से नीचे है।

संपादकीय में लिखा है कि प्रधानमंत्री रहते हुए मोदी ने देश के 80 करोड़ लोगों को हर महीने 10 किलो मुफ्त अनाज दिया है और वह इस मुफ्त अनाज के लिए खुद की तारीफ करते रहते हैं। इसका मतलब है कि 140 करोड़ की आबादी वाले देश में 80 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी उन्हें 10 किलो अनाज देते हैं, जिससे उनका चूल्हा जलता है। भारत जैसे देश के लिए यह कोई गर्व की बात नहीं है।

अखबार ने कहा कि विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को 'बेरोजगारी दिवस' के रूप में मनाना चाहता है। प्रधानमंत्री के प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियों के वादे की ओर इशारा करते हुए, सामना ने दावा किया कि केंद्र ने देश में 10 लाख नौकरियां भी नहीं दी हैं। अखबार ने कहा, 'विपक्षी दलों ने सुझाव दिया है कि मोदी के जन्मदिन को 'बेरोजगारी दिवस' के रूप में मनाया जाना चाहिए। इसका मतलब है कि उनका 'आत्मनिर्भर' भारत का नारा खोखला साबित हुआ है। पिछले 10 सालों में बेरोजगारी में जबरदस्त उछाल आया है। जब मोदी पहली बार सत्ता में आए थे, तो उन्होंने घोषणा की थी कि वह हर साल दो करोड़ नौकरियां देंगे, लेकिन पिछले 10 सालों में 10 लाख लोगों को भी नौकरी नहीं मिली, फिर नौकरियां कैसे मिलीं?'

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने कलबुरगि-कोल्हापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के तीन गौरवशाली वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने ट्रेन संख्या 22155/22156 कलबुरगि-कोल्हापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस की तीसरी वर्षगांठ मनाई, जो 16 सितंबर 2022 को अपने उद्घाटन के बाद से यात्रियों को आराम, गति और भक्ति के साथ सेवा प्रदान कर रही है।

पिछले तीन वर्षों से, यह सुपरफास्ट एक्सप्रेस केवल परिवहन के एक साधन से कहीं बढ़कर रही है। यह महाराष्ट्र और कर्नाटक के मंदिरों, परंपराओं और समुदायों को जोड़ने वाला एक पवित्र रेल बंधन बन गई है। इस ट्रेन ने न केवल तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं को एक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक यात्रा विकल्प प्रदान किया है, बल्कि आस्था, संस्कृति और एकता का भी संचार किया है, जिससे दोनों राज्यों के बीच सामाजिक और आध्यात्मिक संबंध मजबूत हुए हैं।

यह रेल मार्ग कुछ अत्यंत प्रतिष्ठित आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थलों से जुड़ा हुआ हैः

कलबुरगि - शरण बसवेश्वर मंदिर, ख्वाजा बंदा नवाज दरगाह, बुद्ध विहार

गाणगापुर - दत्तात्रेय मंदिर

अक्कलकोट - स्वामी समर्थ महाराज मंदिर

सोलापुर - सिद्धेश्वर मंदिर

पंढरपुर - विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर

कोल्हापुर - महालक्ष्मी मंदिर

कलबुरगि-कोल्हापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे भारतीय रेल राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक एकीकरण और यात्री सुविधा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहती है।

इस रेलगाड़ी के तीन सफल वर्ष पूरे होने पर, सोलापुर मंडल यात्रियों, श्रद्धालुओं और समुदायों को उनके अटूट विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद देता है, जिससे यह रेल सेवा भक्ति, संस्कृति और एकजुटता का एक सच्चा प्रतीक बन गई है। सोलापुर मंडल अपनी समृद्ध विरासत, परंपराओं और लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 2025 का शुभारंभ किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर, राष्ट्रव्यापी स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत, 17 सितंबर 2025 को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 2025 का शुभारंभ किया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान, जो हर साल 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाता है, 'समग्र समाज' और 'समग्र सरकार' के दृष्टिकोण का उदाहरण है, जो स्वच्छता के संदेश को सामूहिक रूप से मज़बूत करने के लिए सभी स्तरों पर नागरिकों, संस्थानों और नेतृत्व को एक साथ लाता है।

सोलापुर, लातूर, कुर्डुवाडी, कलबुरगि, वाडी, मोहोल, पंढरपुर रेलवे स्टेशनों और मंडल के विभिन्न अन्य कार्यस्थलों पर कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली। शपथ में इस बात पर ज़ोर दिया गयाः

स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता और प्रति वर्ष 100 घंटे (प्रति सप्ताह 2 घंटे) श्रमदान (स्वैच्छिक सेवा) के लिए समर्पित करना।

कार्यस्थल और घर पर अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने की ज़िम्मेदारी।

कूड़ा-कचरा न फैलाना और यह सुनिश्चित करना कि दूसरे भी कूड़ा न फैलाएँ।

गाँवों, कस्बों और शहरों में स्वच्छ भारत मिशन के बारे में जागरूकता फैलाना। 100 और लोगों को यह शपथ लेने और एक स्वच्छ भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करना।

इस शपथ के बाद, कई कर्मचारियों ने आज ही श्रमदान गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे अभियान की एक मज़बूत शुरुआत हुई। स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान 1 अक्टूबर 2025 तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे मंडल में स्वच्छता अभियान, जागरूकता गतिविधियाँ और नागरिक भागीदारी पहलों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

मध्य रेल का सोलापुर मंडल स्वच्छता के राष्ट्रीय मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है और नागरिकों से 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' के सपने को साकार करने में हाथ मिलाने का आह्वान करता है।

बढ़ते परिवार के साथ पुलिस कालोनी में कैसे रहे ?- मुंबई पुलिस

डेढ़ हजार घर खाली, घर लेने के लिये कोई पुलिस अधिकारी तैयार नहीं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई में रहने के लिए पुलिस अधिकारियों का संघर्ष अब सामने आ गया है। जहां उनके परिवार बढ़ रहे हैं, वहीं पुलिस कॉलोनियों में घरों का क्षेत्रफल मुर्गी के दरबे जितना है। इस वजह से आधे से ज्यादा पुलिस वालों ने मुंबई से बाहर रहना पसंद किया है। वहीं दूसरी ओर, इसी वजह से पुलिस कॉलोनियों में करीब 1,388 घर फिलहाल खाली पड़े हैं। चूंकि ये घर बहुत छोटे हैं, इसलिए कोई भी इनमें रहने की हिम्मत नहीं करता। कुछ पुलिस अधिकारियों ने इस बारे में बात करते हुए यह सवाल पूछा है। मुंबई शहर में पुलिस बल में वर्तमान में करीब 50,000 और रेलवे पुलिस बल में करीब 45,00 पुलिस अधिकारी हैं। इन सभी को पुलिस कॉलोनियों में घर नहीं मिलते हैं। हालांकि, जिन्हें मिले हैं, वे 100 से 350 फीट से ज्यादा बड़े नहीं हैं। इसलिए सवाल यह उठ खड़ा हुआ है

कोट..पुनर्वासन और रिडेवलपमेंट होगा तब बड़ा घर होगा उसके पहले नहीं, और जिसको मुंबई में रहना पसंद होगा वह रहे, और जिसको मुंबई के बाहर रहना होगा वह बाहर रहे...

जय कुमार
ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर प्रशासन

कि वे स्कूल जाने वाले बच्चों और अभिभावकों के साथ इतने छोटे घरों में कैसे रहेंगे। इस भावना के कारण, यह बात सामने आई है कि मुंबई में पुलिस कॉलोनियों में रहने के प्रति पुलिस अधिकारियों का रुझान कम हुआ है। मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से सहायक पुलिस उपनिरीक्षक से लेकर कांस्टेबलों के लिए 1,388 घर खाली पड़े हैं। यह बात सामने आई है कि इन्हें लेने के लिए कोई भी पुलिस अधिकारी आगे नहीं आया है। पुलिस कॉलोनियों में रहने वाले पुलिस अधिकारियों के मूल वेतन का 30 प्रतिशत किराए के रूप में कटता है। हालांकि, इसकी तुलना में ये घर बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्ग माता-पिता और पुलिस जीवनसाथी के लिए एक बहुत छोटी झोपड़ी की तरह हैं। आग्रीपाड़ा, कुर्ला, माहिम और धारावी में कुछ घर 100 वर्ग फीट के हैं। जबकि माता रमाबाई अंबेडकर मार्ग, एमआईडीसी, नागपाड़ा, पंतनगर, पायधुनी आदि में घर 160 और 180 वर्ग फीट के हैं।

वर्तमान में सबसे ज्यादा खाली घर एमआईडीसी पुलिस कॉलोनियों में हैं। यहां 600 से अधिक घर खाली हो चुके हैं। वर्तमान में कई जगहों पर पुलिस कॉलोनियों में घर 100 से अधिकतम 350 वर्ग फीट के हैं। पुलिस ने कहा कि इसके कारण पुलिस अधिकारियों का मुंबई से बाहर जाने का रुझान बढ़ा है। पुलिस ने कहा कि पुलिस कॉलोनी में ज़्यादा किराया देने की तुलना में मुंबई के बाहर रहना ज़्यादा किफायती है।

इस बीच, अग्रीपाड़ा, अंधेरी, बांद्रा, बोरीवली, घाटकोपर, पंतनगर, विक्रोली, भायखला, वुलाबा, डीएननगर, दादर, गोरेगांव, कालाचौकी, कुर्ला, माता रमाबाई अंबेडकर मार्ग, माहिम, माटुंगा, मालाड, एमआईडीसी, मजासवाड़ी, नागपाड़ा, नेहरूनगर, वनराई, एलए 1, वडाला ट्रक टर्मिनल, साकीनाका में पुलिस कॉलोनियों में घर खाली हैं। हालांकि, पुलिस ने सवाल उठाया है कि एक पुलिस दंपत्ति, उनके दो बच्चे और माता-पिता 100 वर्ग फुट के घर में कैसे रहेंगे।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल

विभिन्न निर्माण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-निविदायें आमंत्रित करते है। **कार्य का नामः** Strengthening weak side slope by construction of Toe Wall Murom Filling, Boulder pitching, preparing sub-bank dressing of Bank by 2:1 Slope for approaches of bridge no. 552/1, 552/2, 557/3, 557/4 & 557/5 (Total 1000x2=2000m) in Kulali-Wadi section. **अनुमानित लागतः** ₹ 5,67,72,906.50. **बयाना रक्कमः** ₹ 433900/-. **समापन की अवधीः** 12 Months. **अनुरक्षण की अवधीः** 12 Months. **www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर अपलोड करने कि अंतिम दिनांक और समयः** 07/10/2025 को 15.00 बजेतक। **www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समयः** 07/10/2025 को 15.30 बजे। निविदाकारोंसे निवेदन हैं की कोई बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये Website: **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

निविदा क्र.: 25-2025-SrDENS
मं.रे.प्र.(कार्य) सोलापुर

अनाधिकृत रुप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

Sail/SUR/57

शिंदे ने प्रधानमंत्री मोदी के 'न्यू इंडिया' के उनके प्रयास की सराहना की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर उनके नेतृत्व और 'न्यू इंडिया' बनाने के संकल्प की सराहना की।

शिंदे की पार्टी शिवसेना, जो भाजपा की एक प्रमुख सहयोगी है, ने प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में पूरे पृष्ठ के विज्ञापन प्रकाशित किए और मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विभिन्न पहल कीं। उपमुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की।

शिंदे ने कहा कि मोदी ने 'न्यू इंडिया' बनाने के संकल्प के साथ अथक प्रयास किए हैं और पिछले 10 वर्षों में देश की सूरत बदल दी है। शिवसेना ने कई दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किए और प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं।

शहरी विकास विभाग के प्रमुख शिंदे ने

एक योजना की भी घोषणा की है, जिसके तहत 'नमो पार्क' विकसित करने के लिए नगर पालिकाओं और नगर परिषदों को एक-एक करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विधायक पराग शाह द्वारा सामग्री वितरण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबईःदेश के सशक्त नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर, राष्ट्रसंत पूज्य गुरुदेव नम्रमुनि महाराज की प्रेरणा से इस 75 जन्मदिन के उपलक्ष्य में- सेवा, करुणा और मानवता के लिए अंतर्गत जरूरतमंद नागरिकों को आवश्यक सामग्री विधायक पराग शाह के हाथों वितरित की गई। यह सामाजिक सेवा घाटकोपर पूर्व के आराध्य वन पार्क, 60 फीट रोड में घाटकोपर पूर्व के भाजपा विधायक पराग भाई शाह के हाथों से संपन्न हुई।इस पहल के माध्यम से जरूरतमंदो तक आवश्यक सामग्री पहुँचकर सेवा और सहयोग की भावना को बल मिला।

यह सेवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी और समावेशी भारत के विजन का एक सशक्त प्रतीक बनी भाजपा विधायक पराग शाह।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल

मशीनीकृत आंतरिक सफाई का अनुबंध कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर के व्दारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखीत कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त प्रतिष्ठानों/ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। **(1) कार्य का नाम स्थान सहित :** सोलापुर मंडल के लातूर और हरंगुल स्टेशन पर प्लेटफार्म वापसी/टर्मिनल ध्यान ट्रेनों के कोचों की मशीनीकृत आंतरिक सफाई का अनुबंध कार्य तीन साल की अवधि के लिए GeM के माध्यम से जनशक्ति के आधार पर किया गया है। **(2) निविदा कार्य पध्दती :** दो पॅकेट सिस्टम. **(3) कार्य की औसत लागत :** ₹ 1,11,97,199.36. **(4) निविदा प्रपत्र मुल्य :** Nil. **(5) कार्यालय का पता, जहां से निविदा प्रपत्र खरीदे जा सकते हैं :** मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर. **(6) जमा करने योग्य बयाना रकम :** ₹ 2,05,986/-. **(7) कार्य का समापन अवधि :** तीन साल कार्य की प्रारंभ की तिथी से। **(8) निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथी एवं समय : 09/10/2025** at **10.00 hrs. (9)** निविदा बक्सा खुलने की तिथी एवं समय : **09/10/2025** at **10.30 hrs. (10) वेबसाईट विवरण एवं सूचना बोर्ड लोकेशन जहां से निविदा के संपुर्ण विवरण देखे जा सकते है : www.gem.gov.in/**

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता/सोलापुर
निविदा सूचना क्रमांक - GEM/2025/B/6674957 dated 16/09/2025

अनाधिकृत रुप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

Sail/SUR/56

पश्चिम रेलवे द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का उत्साहपूर्वक शुभारम्भ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

'स्वच्छता ही सेवा' 2025 पूरे देश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुआ, जो 2 अक्टूबर, 2025 को गांधी जयंती के अवसर पर समाप्त होगा। इस वर्ष के अभियान का थीम 'स्वच्छोत्सव' रखा गया है। इस अभियान में कार्यस्थलों, आवासीय क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई, सफाई मित्रों का स्वास्थ्य और सुरक्षा, पर्यावरण मित्र एवं शून्य अपशिष्ट कार्यक्रम और स्वच्छता के प्रति व्यापक जन जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पश्चिम रेलवे मुख्यालय में अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार द्वारा रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह अभियान पश्चिम रेलवे पर 17 सितम्बर, 2025 को बड़े उत्साह और जोश के साथ प्रारंभ हुआ। कई स्थानों पर स्वच्छता शपथ समारोह आयोजित किए गए, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों और स्टेशनों पर आयोजित की गईं। कई स्थानों पर श्रमदान किया गया, जिसमें रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कई स्थानों पर जन जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्रों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, एनजीओ और सीएसओ के सहयोग से स्वतंत्र कार्यक्रम आयोजित कर स्वच्छता संदेश समाज तक पहुँचाया गया।

पश्चिम रेलवे आम जनता से अपील करती है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेकर स्वच्छता को एक जन आंदोलन में बदलने और स्वच्छ भारत के निर्माण में योगदान दें। यह वार्षिक अभियान स्वैच्छिक और सामूहिक भागीदारी को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम है, जो 'Whole of Society' और 'Whole of Government' दृष्टिकोण को मूर्त रूप देता है।

भुसावल मंडल द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान का आयोजन

मुंबई(संवाददाता) । रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार, भुसावल मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा' का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। इस अभियान की 'स्वच्छोत्सव' यह थीम रखी गई है। भुसावल मंडल ने इस अभियान के दौरान स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है।

इन गतिविधियों के तहत आज 17 सितंबर को स्वच्छता की शपथ ली गई। भुसावल मंडल कार्यालय में मंडल रेलवे प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल इन्होने सभी शाखा अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। मंडल के सभी स्टेशनों, कोचिंग डिपो, मंडल रेलवे अस्पताल, रेलवे कार्यालयों, रेलवे स्कूल, क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान भुसावल में कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली। इसके साथही यात्रियों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु बैनर, पोस्टर, उद्घोषणा प्रणाली एवं सोशल मीडिया माध्यमों से संदेशों का प्रसारण किया जा रहा है।

यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए बैनर, पोस्टर, उद्घोषणा प्रणाली और सोशल मीडिया के माध्यम

से विभिन्न संदेशों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान प्रतिदिन विभिन्न स्वच्छता जनजागरण तथा श्रमदान कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, गाड़ियाँ, पटरियाँ, कार्यालय, शौचालय एवं जलस्रोतों की गहन सफाई की जाएगी।

इस अभियान के अंतर्गत रेलवे कर्मचारियों ने प्रत्येक सप्ताह कम से कम 2 घंटे श्रमदान करने का संकल्प लिया है। 'स्वच्छता ही सेवा' न केवल स्वच्छ भारत मिशन को आगे बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण तथा यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

पश्चिम रेलवे
निर्माण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008. ई-निविदा सूचना संख्याः BCT/25-26/228 दिनांक 15/09/2025 आमंत्रित करता है। **कार्य और स्थानः विरार-जोरावासन खंडः** घोलवड, पारडी, संजन और डुंगरी में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ इनडोर और आउटडोर सिग्नलिंग उपकरणों के प्रतिस्थापन के संबंध में ईएल बिल्डिंग का निर्माण। (विद्युत (पी) कार्यों सहित समग्र निविदा)। **कार्य की अनुमानित लागतः** 11,15,23,924.96/- **ब्याज राशिः** 7,07,600/-। **जमा करने की तिथि और समयः** 10.10.2025, 15:00 बजे तक। खुलने की तिथि एवं समयः 10.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0604

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिवस के अवसर पर, छत्रपति संभाजीनगर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा ध्वजारोहण

हम मराठवाड़ा के समग्र विकास के लिए अथक प्रयास करेंगे।- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

छत्रपति संभाजीनगर। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिवस कार्यक्रम में आश्वासन दिया कि वे मराठवाड़ा की समग्र प्रगति के लिए उद्योग और उससे रोजगार सृजन, कृषि और बुनियादी ढाँचे के विकास जैसे सभी क्षेत्रों में अथक प्रयास करेंगे।

मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिवस के अवसर पर, छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम के सिद्धार्थ उद्यान में मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम स्मारक पर मुख्यमंत्री श्री फडणवीस द्वारा ध्वजारोहण किया गया। वे इस अवसर पर बोल रहे थे। प्रारंभ में, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तोपों की सलामी और पुलिस बल की सलामी के बाद ध्वजारोहण किया गया।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय मंत्री और जिले के पालक मंत्री संजय शिरसाट, राज्यसभा सदस्य डॉ. भागवत कराड, सांसद डॉ. कल्याण काले, सांसद संदीपन भुमरे, विधायक सर्वश्री सतीश चव्हाण, प्रशांत बंब, प्रदीप जायसवाल, विलास भुमरे, विधायक श्रीमती. संजना जाधव, विधान परिषद में विपक्ष के पूर्व नेता अंबादास दानवे, पूर्व सांसद चंद्रकांत खैरे, संभागीय आयुक्त जीतेंद्र पापलकर, नगर निगम आयुक्त जी. श्रीकांत, पुलिस आयुक्त प्रवीण पवार, जिला कलेक्टर दिलीप स्वामी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा,

मराठवाड़ा को निज़ाम के अत्याचारी शासन से मुक्त कराने के लिए एक बड़ा संघर्ष किया गया, जिसमें स्वामी रामानंद तीर्थ, गोविंदभाई श्रॉफ, दिगंबरराव बिंदू, रविनारायण रेड्डी, देवी सिंहजी चव्हाण, भाऊसाहेब वैशम्पायन, शंकरसिंह नाइक, विजेंद्र काबरा, बालासाहेब परांजपे, काशीनाथ कुलकर्णी, दगडबाई शेल्के, विठ्ठलराव काटकर जैसे कई लोग शामिल थे। , हरिश्चंद्र जाधव, जनार्दन हॉर्टिकर गुरुजी, सूर्यभान पवार, विनायकराव चारथंकर ने पहल की और स्वतंत्रता संग्राम में काम किया। उनके साथ, असंख्य लोगों ने मराठवाड़ा को रजाकारों के अत्याचार से मुक्त कराया।

यह युद्ध भारत की स्वतंत्रता और मराठवाड़ा की स्वतंत्रता के बाद लगभग 13 महीने तक चला और इसलिए यह दिन न केवल मराठवाड़ा की मुक्ति का दिन है, बल्कि एक अखंड भारत के निर्माण का भी दिन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी लोगों का सम्मान करते हुए मराठवाड़ा के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयास करना हमारा कर्तव्य है।

भारी बारिश से नुकसान; राज्य सरकार तत्काल सहायता प्रदान करेगी

भारी बारिश में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए, मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार भारी बारिश से प्रभावित सभी लोगों को तत्काल सहायता प्रदान करेगी और मराठवाड़ा में भारी बारिश से प्रभावित किसानों या ग्रामीणों के साथ सरकार निश्चित रूप से खड़ी रहेगी। मराठवाड़ा के सूखे को अतीत की बात बनाने के लिए, कृष्णा घाटी से पानी मराठवाड़ा लाया गया है। दूसरे चरण में, सांगली और कोल्हापुर से बाढ़ का पानी उजानी में वापस लाकर मराठवाड़ा लाया जाएगा। उल्हास घाटी से 54 टीएमसी पानी भी मराठवाड़ा लाया जाएगा। गोदावरी घाटी में पानी की कमी को दूर करने और हर किसान तक यह पानी पहुँचाने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी। दिसंबर तक डीपीआर तैयार कर ली जाएगी और फिर जनवरी-फरवरी में टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी, मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने स्पष्ट किया।

2023 में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों का शीघ्र क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा कि 2023 में छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों का क्रियान्वयन तेजी से किया जा रहा है। घृष्णेश्वर मंदिर के लिए 61 करोड़ रुपये, तुलजाभवानी मंदिर के लिए 541 करोड़ रुपये और औंधा नागनाथ योजना को मंजूरी दी गई है। मानव विकास कार्यक्रम के तहत 94 बसें और छत्रपति संभाजीनगर को 115 बसें दी गई हैं। 916 आंगनवाड़ी शुरू की गई हैं, 26500 नए स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं और 2.70 लाख महिलाओं को उनसे जोड़ा गया है। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर आदर्श शाला योजना के तहत 95 करोड़ रुपये का फंड वितरित किया गया है। विभिन्न स्मारकों और मंदिरों के लिए 253 करोड़ रुपये दिए गए हैं, 3121 करोड़ रुपये के सड़क कार्य शुरू किए गए हैं, जो प्रगति पर हैं। हाइब्रिड वार्षिकी में 7719 करोड़ रुपये के काम शुरू किए गए हैं, बीड जिला परिषद भवन का 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। चार लाख सिंचाई कुओं में से 30 हजार कुओं का काम पूरा हो चुका है, और 1.14 लाख सिंचाई कुओं पर काम शुरू किया गया है।

आपसी सहयोग से महाराष्ट्र-सिंगापुर व्यापारिक संबंध मज़बूत - प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल

महावाणिज्य दूत ने सिंगापुर राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लेने का निमंत्रण दिया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। सिंगापुर के महावाणिज्य दूत चियोंग मिंग फंग ने प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर, महावाणिज्य दूत ने उन्हें आगामी 'सिंगापुर राष्ट्रीय दिवस समारोह' में भाग लेने का निमंत्रण दिया। उन्होंने सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री गान किम योंग की हालिया महाराष्ट्र यात्रा के सकारात्मक परिणामों पर भी चर्चा की।

उप प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान, यह कहा गया कि सिंगापुर ने पीएसए के भारत मुंबई कंटेनर टर्मिनल (द्वितीय चरण) और कैपिटल लैंड के नवी मुंबई डेटा सेंटर के निरीक्षण, मैपलट्री कंपनी के साथ लगभग 3,000 करोड़ रुपये के निवेश से एक औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स पार्क और एक नया डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए समझौता, पीएसए के दूसरे चरण के पूरा होने के बाद भारत का सबसे बड़ा कंटेनर टर्मिनल, टिकाऊ शिपिंग मार्गों और डिजिटल व्यापार सुविधाओं के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के माध्यम से महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में अपना विश्वास मजबूत किया है।

इसके साथ ही, प्रोटोकॉल मंत्री श्री रावल और सिंगापुर के महावाणिज्य दूत के बीच महाराष्ट्र और सिंगापुर के बीच दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग को नई गति देने पर चर्चा हुई। सिंगापुर महाराष्ट्र में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेशक है। कैपिटल लैंड जैसी कंपनियों ने मुंबई और पुणे में व्यावसायिक पार्कों, डेटा केंद्रों और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं में 19,200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।

महाराष्ट्र-सिंगापुर सहयोग आईटी, सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के अवसर पैदा कर रहा है। इस अवसर पर श्री रावल ने कहा कि बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ भी गति पकड़ रही हैं और हरित एवं डिजिटल व्यापार मार्गों की स्थापना के माध्यम से सतत आर्थिक विकास प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बांस दिवस के अवसर पर कल से मुंबई में दो दिवसीय बांस सम्मेलन का आयोजन

दुनिया भर के विशेषज्ञ, विद्वान और निवेशक उपस्थित रहेंगे- पाशा पटेल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य सरकार ने बांस उत्पादन से आर्थिक लाभ प्राप्त करने और बांस उत्पादन को बढ़ावा देने की पहल की है। इसी कड़ी में, अंतर्राष्ट्रीय बांस दिवस के अवसर पर, महाराष्ट्र सरकार के महाराष्ट्र परिवर्तन संस्थान (श्र्र्ळ्ं) और फीनिक्स फाउंडेशन द्वारा मुंबई में दो दिवसीय बांस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पर्यावरण सतत विकास कार्य बल के कार्यकारी अध्यक्ष पाशा पटेल और वित्त एवं योजना, कृषि, राहत एवं पुनर्वास राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल ने बताया कि यह बांस सम्मेलन 18 और 19 सितंबर 2025 को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान सभागार में आयोजित किया जाएगा।

यह महत्वपूर्ण सम्मेलन 'लोगों, ग्रह और समृद्धि के लिए बांसः हरा सोना, हरित ऊर्जा, हरित पृथ्वी' की अवधारणा के साथ आयोजित किया गया है। यह दो दिवसीय सम्मेलन पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

श्री पटेल ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में देश और राज्य भर से विशेषज्ञों, विद्वानों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, किसानों और नीति निर्माताओं को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर बांस से बनने वाले अनेक उत्पादों जैसे इथेनॉल, मेथनॉल, ताप विद्युत के लिए बांस की पट्टियाँ, लौह कोयला, लकड़ी, फर्नीचर, बांस के कपड़े आदि पर चर्चा होगी। इस सम्मेलन से शहरी वानिकी, ऑक्सीजन पार्क, हरित भवन जैसे कई नवाचार सामने आएंगे।

सम्मेलन के दूसरे दिन राज्य सरकार के प्रतिनिधियों, इस विषय के विद्वानों और उद्यमियों का एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें लगभग 35 उद्यमी भाग लेंगे। पाशा पटेल ने बताया कि इस सम्मेलन में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएँगे।

राज्य मंत्री एडवोकेट जायसवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य महाराष्ट्र में बांस की खेती को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाना, प्राकृतिक आपदाओं को रोकना, वन क्षेत्र में वृद्धि करना और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना है। इसी के अनुरूप, राज्य सरकार बांस की खेती को प्रोत्साहित कर रही है। मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए, वन क्षेत्रों के निकट खेतों में बांस लगाने हेतु मुख्यमंत्री वन संरक्षण नीति तैयार की गई है और इस पर नागरिकों की राय ली गई है। सरकार कल के महाराष्ट्र के निर्माण हेतु बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कल का कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने रेलवे स्कूल के छात्रों को अत्याधुनिक STEM शिक्षा से सशक्त बनाने के लिए IIT मद्रास के साथ की साझेदारी

आईआईटी मद्रास स्कूल कनेक्ट कार्यक्रम के माध्यम से एक बेहतर कल के लिए यंग माइंड को आकार देना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के साथ हाथ मिलाकर फ्यूचर रेडी शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस साझेदारी के अंतर्गत रेलवे स्कूल, वलसाड के दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किए जाएँगे। इस पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , मशीन लर्निंग और गणित पर केंद्रित शिक्षा शामिल है, जिससे छात्रों को इन तेज़ी से उभरते क्षेत्रों में एक मज़बूत शुरुआत मिलेगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के साथ-साथ स्थानीय समुदाय के छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित रेलवे स्कूल, वलसाड, अब आईआईटी मद्रास स्कूल कनेक्ट कार्यक्रम का एक गौरवशाली भागीदार बन गया है।

यह पहल आईआईटी मद्रास का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य आईआईटी संकाय और क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा डिज़ाइन और संचालित संरचित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से स्कूल स्तर पर एऊँश् शिक्षा को मज़बूत करना है।

यह कार्यक्रम विशेष रूप से छात्रों को उन्नत वैज्ञानिक अवधारणाओं, व्यावहारिक समस्या-समाधान विधियों और अत्याधुनिक तकनीकों से परिचित कराने के लिए तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर, रेलवे स्कूल, वलसाड के छात्रों को कई प्रमुख लाभ प्राप्त होंगेः

संरचित शिक्षण अनुभवः विश्वस्तर पर मानकीकृत एऊँश् विषय-वस्तु का अनुभव।

वैचारिक और विश्लेषणात्मक प्रोत्साहनः पारंपरिक स्कूली पाठ्यक्रम से परे गहरी समझ।

भविष्य-केंद्रित तैयारीः उच्च अध्ययन, प्रतियोगी परीक्षाओं और AI तथा डेटा साइंस जैसे अगली पीढ़ी के क्षेत्रों में करियर के लिए मज़बूत आधार।

आत्मविश्वास निर्माणः कम उम्र में ही नवीन विचारों की खोज करने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को सुलझाने में संलग्न होने की प्रेरणा।

यह दूरदर्शी सहयोग प्रतिभा को पोषित करने और अपने छात्रों को विश्वस्तरीय अवसर प्रदान करने के लिए पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है, जिससे उन्हें कल के सक्षम, आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बनाया जा सके।

नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए अब एक ही मॉडल प्लान

प्रशासनिक भवनों का निर्माण अब मॉडल प्लान के अनुसार अनिवार्य- उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज यहाँ बताया कि राज्य में नगर परिषदों और नगर पंचायतों के प्रशासनिक भवनों का निर्माण अब सरकार द्वारा तैयार मॉडल प्लान (टाइप प्लान) के अनुसार करना अनिवार्य कर दिया गया है।

नगर परिषदों और नगर पंचायतों की संख्या, पदाधिकारियों, अधिकारियों और कर्मचारियों तथा शहरों की जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए, नए प्रशासनिक भवनों के निर्माण हेतु मॉडल प्लान (टाइप प्लान) को लोक निर्माण विभाग के मुख्य वास्तुकार द्वारा अनुमोदित किया गया है। तदनुसार, राज्य की सभी नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए इस मॉडल प्लान के अनुसार नए प्रशासनिक भवनों का निर्माण करना अनिवार्य होगा। जिन स्थानों पर प्रशासनिक भवनों के निर्माण हेतु पूर्व में स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, वहाँ अब नए मॉडल प्लान के अनुसार निर्माण कार्य करना होगा। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने बताया कि जिन शहरों में नगर परिषद या नगर पंचायत का प्रशासनिक भवन नहीं है, वहाँ इस कार्य के लिए प्राथमिकता के आधार पर धनराशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। राज्य में बढ़ती जनसंख्या, बढ़ते शहरीकरण और नई तकनीक को देखते हुए नगर परिषदों-नगर पंचायतों की ज़िम्मेदारियाँ काफ़ी बढ़ गई हैं। नागरिकों को सभी प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध कराने, उनकी शिकायतों का समय पर समाधान करने और बढ़ते कम्प्यूटरीकरण के कारण राज्य भर की सभी नगर परिषदों-नगर पंचायतों में नवीनतम ई-कार्य प्रणाली को अपनाने के लिए प्रशासनिक भवनों में आवश्यक वस्तुओं को शामिल करने हेतु यह मॉडल मानचित्र तैयार किया गया है।

'स्वस्थ महिला, सशक्त परिवार' अभियान के अंतर्गत महिलाओं और बच्चों की व्यापक स्वास्थ्य जाँच

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

परिवार के स्वास्थ्य के लिए महिलाओं का अच्छा स्वास्थ्य अत्यंत आवश्यक है और इसी दृष्टि से, केंद्र सरकार द्वारा घोषित 'स्वस्थ महिला, सशक्त परिवार' अभियान का नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में बेहतर क्रियान्वयन किया जाएगा। नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने बताया कि अगले पखवाड़े में महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य जाँच को प्राथमिकता देते हुए, महिला प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण अभियान, एनीमिया मुक्त भारत, आयुष्मान भारत जैसी विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी ज़ोर दिया जाएगा।

महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को परिवार, समाज और पूरे देश की प्रगति का केंद्र मानते हुए, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आदेशानुसार 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान चलाया जा रहा है। नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में इसका शुभारंभ नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने वाशी पब्लिक हॉस्पिटल में किया।

'स्वस्थ महिला, सशक्त परिवार' अभियान के राष्ट्रीय स्तर के शुभारंभ कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के धार में किया, जबकि राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का उद्घाटन महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे ने किया। इन दोनों कार्यक्रमों का वाशी पब्लिक हॉस्पिटल में एक बड़ी एलईडी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया गया। आयुक्त, विभागाध्यक्षों, अधिकारियों, कर्मचारियों और उपस्थित नागरिकों द्वारा इन दोनों कार्यक्रमों को देखने के बाद, नवी मुंबई नगर निगम स्तर पर अभियान का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के साथ अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार और डॉ. राहुल गेठे, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत जावड़े, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गाडे, जोन 1 के उपायुक्त श्री सोमनाथ पोटरे, जोन 2 के उपायुक्त श्री संजय शिंदे, शिक्षा विभाग के उपायुक्त श्री संघरत्न खिल्लारे, आपातकालीन विभाग की उपायुक्त श्री ललिता बाबर, सामाजिक विकास विभाग की उपायुक्त श्री नयना सासने, उद्यान विभाग की उपायुक्त श्री स्मिता काले, खेल विभाग की उपायुक्त श्री अभिलाषा पाटिल, संयुक्त स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रत्नप्रभा चव्हाण, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश म्हात्रे, डॉ. उद्धव खिल्लारे, ईटीसी संयुक्त आयुक्त श्री अनुराधा बाबर, वाशी संयुक्त आयुक्त श्री सुखदेव येदवे सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे।

यह अभियान भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा घोषित पोषण माह के संयोजन में चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नगर निगम के सभी अस्पतालों, मातृ एवं शिशु अस्पतालों और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

वहाँ महिलाओं को विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य जाँच सहित स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। इस अभियान में मुख्य रूप से महिला स्वास्थ्य जाँच के अंतर्गत उच्च रक्तचाप और मधुमेह की जाँच, मुख कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जाँच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और पोषण संबंधी स्वास्थ्य सुविधाएँ, टीकाकरण, महिलाओं और किशोरियों में एनीमिया की जाँच और परामर्श, क्षय रोग के उच्च जोखिम वाली महिलाओं में क्षय रोग की जाँच, सिकल सेल रोग (एससीडी) की जाँच शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर घाटकोपर में सेवा उपक्रम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर, 'सेवा, करुणा और मानवता के लिए 75 गतिविधियाँ' अभियान के अंतर्गत, ज़रूरतमंद नागरिकों को आवश्यक वस्तुएँ वितरित की गईं।

यह सामाजिक सेवा गतिविधि राष्ट्रीय संत गुरुदेव नम्रमुनि महाराज की प्रेरणा से आयोजित की गई। इस अवसर पर, घाटकोपर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक पराग शाह के आशीर्वाद से 60 फ़ीट रोड स्थित आराध्य वन पार्क में सामग्री वितरण का कार्य संपन्न हुआ।

आयोजकों ने बताया कि इस गतिविधि का उद्देश्य ज़रूरतमंदों तक पहुँचकर सेवा, सहयोग और सामुदायिक अभिविन्यास की भावना को मज़बूत करना है। मंडल महामंत्री संजय गजानन दरेकर (बाबू) ने कहा, 'यह सेवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी, समावेशी और सशक्त भारत के विजन का जीवंत प्रतीक है।'

मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव के आयोजन हेतु संबंधित विभाग समन्वय करें- पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई

मुंबई।मुंबई में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव की व्यापक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने राजस्व, पर्यटन, सांस्कृतिक कार्य, नगरीय विकास विभाग और नगर आयुक्त को महोत्सव की योजना में समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए हैं।

मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव के आयोजन के संबंध में मेघदूत में एक बैठक आयोजित की गई। पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई इस बैठक में बोल रहे थे। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव डॉ. अतुल पाटने, पर्यटन निदेशक डॉ. बी. एन. पाटिल, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नीलेश गतने और नृत्येश्वर कला संस्कृति प्रतिष्ठान के शंशीकांत मेस्त्री उपस्थित थे। पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि एम. नृत्येश्वर कला संस्कृति प्रतिष्ठान के माध्यम से मुंबई में एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का लोक नृत्य महोत्सव आयोजित करने में सभी विभागों की भागीदारी आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। पर्यटन मंत्री देसाई ने इस महोत्सव के लिए धनराशि की व्यवस्था करने तथा इसमें विभागों की भागीदारी के लिए समन्वय योजना बनाने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

मोदी सरकार : नारी शक्ति का उदयकाल

भारत की आधी आबादी, जिसे लंबे समय तक घर की चौखट और सामाजिक परंपराओं में सीमित माना जाता था, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। बीते दशक में तस्वीर पूरी तरह बदली है–ऐसे कानून बने जिन्होंने महिलाओं को बराबरी और गरिमा का अधिकार दिया, और ऐसी योजनाएँ आईं जिन्होंने मातृत्व को सुरक्षित कर बेटियों के सपनों को पंख दिए। यही वजह है कि आज नारी शक्ति केवल वोट नहीं, अब राष्ट्र की आवाज़ है । इसी यात्रा में 2023 का 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' स्त्री प्रतिनिधित्व को नई ऊँचाई देने वाली ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में अंकित हो गया है। इसके तहत लोकसभा और विधानसभाओं की एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गईं। यह बदलाव केवल आंकड़ों का नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा में स्त्री शक्ति को प्रतिष्ठित करने का है।

मोदी सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए 'मिशन शक्ति' की शुरुआत की। इसके अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर, 24□7 महिला हेल्पलाइन और डिजिटल शिकायत पोर्टल जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। हिंसा झेलने वाली महिलाएँ अब कानूनी, चिकित्सीय और मानसिक सहयोग एक ही स्थान पर पा रही हैं, और यह भरोसा जगा है कि उनकी आवाज़ अब अनसुनी नहीं होगी। मुस्लिम महिलाओं को अन्यायपूर्ण परंपरा से मुक्त करने वाला 'तीन तलाक' विरोधी कानून इसी दिशा में एक बड़ा परिवर्तन साबित हुआ। वहीं कामकाजी महिलाओं के लिए 'मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017' के अंतर्गत अवकाश 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया तथा बड़े संस्थानों में शिशु गृह (क्रेच) की सुविधा अनिवार्य की गई। इन पहलों ने महिलाओं को सुरक्षा और गरिमा के साथ कार्यक्षेत्र में सक्रिय योगदान का अवसर प्रदान किया।

मोदी सरकार की नीतियों में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नारी सशक्तिकरण का मर्मस्थ स्रोत रहा है, और हाल के आँकड़े इसकी गवाही देते हैं। 2014-15 में जहाँ 1000 लड़कों पर 918 लड़कियाँ थीं, 2023-24 में यह अनुपात बढ़कर 930 हुआ और माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों की नामांकन दर 75.51इ से बढ़कर 78इ पहुँची। मार्च 2022 में 'कन्या शिक्षा प्रवेश उत्सव' से 1, 00, 786 बच्चियाँ स्कूल लौटीं। 2014-16 में मातृ मृत्यु दर 130 से घटकर 2018-20 में 97 रह गई और संस्थागत प्रसव 87इ से बढ़कर 94इ से अधिक हुआ–यह दर्शाता है कि सुरक्षित मातृत्व ही विकसित भारत की सच्ची पहचान है। राज्यों के अनुभव इस प्रगति को और भी सजीव बना देते हैं। उत्तर प्रदेश में गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की दर 51इ से घटकर 45.9इ रह गई और गंभीर एनीमिया 2.1इ से घटकर 1.7इ पर आ गया–यह आँकड़े मातृ स्वास्थ्य सुधार की गवाही देते हैं। इसी कड़ी में उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10.33 करोड़ गैस कनेक्शन दिए गए, जिनमें से 8.34 करोड़ परिवार सक्रिय उपयोगकर्ता हैं, जिससे माताओं और बच्चों को धुएँ से मुक्ति मिली। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने करोड़ों शौचालयों ने ग्रामीण महिलाओं को खुले में शौच की विवशता से उबारकर उनकी गरिमा और स्वास्थ्य दोनों को संबल दिया। यह सब मिलकर नारी जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान की नई कहानी लिख रहे हैं।

आर्थिक स्वतंत्रता भी अब महिलाओं की शक्ति का दूसरा नाम बन चुकी है। मोदी सरकार के प्रयासों से 'स्टैंड अप इंडिया' और 'मुद्रा योजना' ने लाखों महिला उद्यमियों को कारोबार के लिए वित्तीय सहारा दिया, जबकि 'लाखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' योजना ने ग्रामीण महिलाओं को तकनीक और स्वरोज़गार से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी भारत की नई पहचान बना दिया है। मुद्रा योजना में महिलाओं की हिस्सेदारी 68इ है और 2016 से 2025 के बीच प्रति महिला औसत ऋण ?62, 679 तक पहुँचा। स्टैंड-अप इंडिया में 80इ से अधिक ऋण महिलाओं को मिले। उत्तर प्रदेश में मनरेगा में उनकी भागीदारी 35इ से बढ़कर 45.05इ और श्रम-बल में 14इ से बढ़कर 36इ हुई। वाराणसी की 1.38 लाख ग्रामीण महिलाएँ स्व-सहायता समूहों से आत्मनिर्भर बनीं, जिनमें कई ड्रोन पायलटिंग, कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। यह दर्शाता है कि महिलाएँ अब केवल योजनाओं की भागीदार नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की सशक्त धुरी बन रही हैं।

डिजिटल इंडिया ने महिलाओं के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव लाया है। शहरी भारत की महिलाएँ स्मार्टफोन और इंटरनेट के सहारे बैंकिंग, ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान को सहज बना रही हैं, तो ग्रामीण भारत की 76इ महिलाएँ मोबाइल का उपयोग कर रही हैं और आधी से अधिक अपने निजी फोन की स्वामिनी बन चुकी हैं। यही तकनीकी पहुँच उन्हें डिजिटल विपणन, पैकेजिंग और ई-कॉमर्स से जोड़कर आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर कर रही है। साथ ही, महिला हेल्पलाइन 181, एनसीडब्ल्यू 24□7 और पावर लाइन-1090 सुरक्षा और न्याय की त्वरित पहुँच देकर उनके आत्मविश्वास को और गहरा कर रही हैं। मोदी सरकार का यह डिजिटल सशक्तिकरण महिलाओं को समय और दूरी की सीमाओं से आज़ाद कर अवसरों की नई दुनिया थमा रहा है और उन्हें नवोन्मेषी बना रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में महिलाओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा की अग्रिम पंक्ति में नया इतिहास रचा। अग्निपथ योजना के तहत 153 महिला अग्निवीरों ने बेलगावी से प्रशिक्षण पूरा किया और नौसेना ने लगभग 20इ पद महिलाओं के लिए खोले। जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में सात महिला बीएसएफ कर्मियों ने 72 घंटे तक मोर्चा सँभालकर साहस का अद्वितीय उदाहरण पेश किया।

हमारी दाल की कटोरी पर कनाडा - ऑस्ट्रेलिया का कब्जा दुनिया को खिलाने वाले देश भारत को क्यों करना पड़ा रहा आयात?

यह आश्चर्यजनक है कि भारत एक कृषि प्रधान देश है, फिर भी यहां लोगों की थाली में जो दाल रहती है, वह जरूरी नहीं कि स्वदेशी ही हो। संभावना है कि वह किसी दूसरे देश से अच्छे-खासे दामों में आयात की गई हो। इससे खुदरा बाजार में हम महंगी दाल खरीदने के लिए विवश हो जाते हैं। दूसरी तरफ, इससे देश को राजस्व का नुकसान भी झेलना पड़ता है। एक आंकड़े के मुताबिक, बीते वर्ष इकतीस करोड़ से अधिक कीमत की दाल आयात की गई है। देश का दलहन आयात विगत छह वर्षों में बढ़ कर चौरासी फीसद तक जा पहुंचा है।

देश में कुल खपत की लगभग चौदह फीसद दाल विदेश से आयात की जाती है। म्यांमा, मोजांबिक, तंजानिया, आस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों से मुख्य रूप से दालों का आयात किया जाता है। यह स्थिति तब है, जब भारत दुनिया के प्रमुख दाल उत्पादक देशों में शामिल रहा है। हमारे यहां दाल की खपत विश्व की कुल खपत का करीब सत्ताई फीसद है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में दलहनी फसलों की हिस्सेदारी लगभग बीस फीसद तक है। चालू वित्तीय वर्ष में देश में सड़सठ लाख टन विभिन्न दालों का आयात किया गया, जो अब तक का सर्वाधिक है और इसमें पीली मटर की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा इकतीस फीसद तक है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2025 के अंत तक पीली मटर का आयात 20.4 लाख टन तक पहुंच जाएगा, जबकि 2024 में यह 11.6 लाख टन था। पीली मटर के अलावा चना, मसूर, उड़द और अरहर दाल के आयात में तेजी से उछाल देखा गया है। अगर हम विश्व की कुल दलहन उत्पादकता की बात करें, तो भारत के बाद म्यांमा, कनाडा, चीन, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में दाल की

सर्वाधिक पैदावार होती है। पिछले वर्ष कनाडा साठ लाख सत्तर हजार मीट्रिक टन दाल उत्पादन के साथ विश्व का एक प्रमुख दाल उत्पादक देश बन कर उभरा, जबकि एक दशक पूर्व उसका उत्पादन बीस लाख मीट्रिक टन से भी कम था। कनाडा की यह वृद्धि दालों की बढ़ती वैश्विक मांग की पूर्ति से होने वाली कमाई और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के परिणामस्वरूप हुई है। दूसरे देशों में दालों के बढ़ते रकबे पर एक रोचक तथ्य यह है कि वर्ष 1970 के दशक के मध्य में भारत ने आस्ट्रेलिया को कुल 400 ग्राम दलहनी फसलों का बीज दिया था और अगले एक दशक में वहां नब्बे लाख हेक्टेयर जमीन में दलहन की खेती की जाने लगी। आज स्थिति यह है कि हम आस्ट्रेलिया से स्वयं दाल आयात करने लगे हैं।

हालांकि, केंद्र सरकार किसानों को दलहन सहित अन्य खाद्यान्नों का उचित मूल्य दिलाने के लिए कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की सहायता से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा करती है। इसके तहत प्रयास होता है कि फसल उत्पादन की लागत से कम से कम डेढ़ गुना से अधिक दाम किसानों को मिले। मूंग, उड़द, मसूर, अरहर और चना की फसलें भी उन तेईस फसलों में शामिल हैं, जो एमएसपी के तहत आती हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य का चलन वर्ष 1966 से है। शुरुआत में यह सिर्फ गेहूं और धान के लिए था, मगर बाद में इसमें कई अन्य फसलों को भी शामिल किया गया।

देश में दलहनी फसलों का रकबा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार वर्ष 2007 से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना चला रही थी, जिसे 2024-2025 में बदल कर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन कर दिया गया है। इस योजना के तहत उच्च उत्पादन वाली उन्नत प्रजातियों का इस्तेमाल, उन्नत विधियों का प्रदर्शन, एकीकृत पोषक तत्त्व, कीट एवं रोग प्रबंधन और उन्नत कृषि यंत्रों को प्रचलन में लाकर प्रगतिशील खेती करने के लिए अनेक कृषि उपकरणों पर अलग-अलग राज्यों द्वारा कमोबेश पचास फीसद या उससे अधिक सबसिडी प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत फसल के दौरान प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों की क्षमता निर्माण समेत अन्य आवश्यक पहलुओं पर भी काम किया जाता है।

इन सबसे इतर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद समेत अन्य अनुसंधान संस्थान सभी दलहनी फसलों पर अनवरत शोध एवं विकास कर रहे हैं। विगत दस वर्षों में दलहनी फसलों की व्यावसायिक खेती के निमित्त 343 उच्च उपज वाली विभिन्न किस्मों और हाइब्रिड किस्मों को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई है। गुणवत्तापूर्ण दलहन के बीजों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 150 बीज केंद्रों की स्थापना की गई है।

दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के सरकार के अनेक प्रयासों के बावजूद अगर दलहन का आयात बढ़ता जा रहा है, तो इसका मुख्य कारण किसानों का इन फसलों को अपनाने के लिए आगे न आना, जागरूकता के अभाव में नवाचारों को न अपनाना तथा जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नष्ट कर देना है। एक और बड़ा कारण देश के अनेक हिस्सों में दलहनी फसलों का सिर्फ वर्षा आधारित खेती पर निर्भर होना है। हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण अनियमित वर्षा एवं सूखा आम बात हो गई है, इससे मूंग, उड़द, काला चना और अरहर दाल जैसी फसलें सिमटती जा रही हैं, जो कुल दलहनी फसलों का लगभग चालीस फीसद तक है। एक सर्वे के मुताबिक, देश में दाल के लिए सालाना बोए जाने वाले ढाई करोड़ हेक्टेयर क्षेत्रफल में से लगभग पंद्रह फीसद ही सिंचित क्षेत्र है, जबकि इसके ठीक उलट गेहूं और गन्ना के लिए 90-95 फीसद तक सिंचित क्षेत्रफल है। प्रायः देखने में आता है कि अब अगर किसानों को सिंचाई की सुविधा भी मुहैया होती है, तो भी वे दलहनी फसलों से मुंह मोड़ रहे हैं। जबकि दलहनी फसलें अपने अद्वितीय गुणों के कारण अन्य सभी फसलों से बिल्कुल अलग हैं।

कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक, अधिकांश दलहनी फसलें अपने पचहत्तर फीसद नाइट्रोजन की पूर्ति जड़ों से कर लेती हैं, इसकी वजह इनकी जड़ों में पाई जाने वाली गांठों में राइजोबियम नामक जीवाणु है। ये जीवाणु नाइट्रोजन को खेत में पहुंचा देते हैं। इससे एक ओर जहां दलहनी फसलों को इसकी पूर्ति हो जाती है, तो दूसरी ओर आगामी फसल के लिए भी मिट्टी में पर्याप्त मात्रा में नाइट्रोजन बच जाती है।

इस तरह से किसानों को यूरिया के रूप में एक बड़े खर्च की बचत हो जाती है, जिससे लागत में कमी आती है। दलहनी फसलों के पौधे फैल कर बढ़ते हैं, जिससे ये मृदा को आवरण प्रदान करते हुए उसके कटाव को रोकते हैं। दलहनी फसलों के अवशेष को हरी खाद के रूप में प्रयोग कर मृदा में जीवांश पदार्थ की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। इतने फायदे होने के बाद भी यदि देश को दालों का आयात करना पड़ रहा है, तो इसे किसानों में जागरूकता का अभाव ही कहा जाएगा।

किसानों को कृषि में हो रहे नवाचारों जैसे उन्नत सिंचाई विधियों, उन्नत प्रजातियों का विकास और उन्नत तकनीकों का प्रयोग करते हुए दलहनी फसलों के उत्पादन के लिए आगे आना चाहिए। किसान अपने उत्पादक संगठनों के माध्यम से बिचौलियों की भूमिका को कम कर फसल को सीधे बाजार में बेच सकता है। इससे उन्हें अच्छे दाम मिलेंगे और परिणामस्वरूप दलहनी फसलों का उत्पादन उनके लिए निश्चित रूप से मुनाफे का सौदा होगा।

पहाड़ टूट रहे, नदियां उफना रही हैं; हमने जंगल काटे पहाड़ खोदे तो अब आपदाओं से क्यों कांप रहे हैं

मानव सभ्यता का जन्म प्रकृति की गोद में उस काल में हुआ जब हमारे पूर्वज जंगल, नदी, पहाड़ आदि क्षेत्रों के समीप रहते थे। मूल रूप से वे प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर थे और कंद-मूल-फल सेवन करते हुए प्रकृति के नियमों के पालक भी थे। व्यक्ति अपने को प्रकृति का अनुयायी मानकर उसके हर मौसमी चक्र से अपने को आत्मसात करना अपनी निर्बाध नियति मानता था। प्राकृतिक रौद्र आज की अपेक्षा उस काल में काफी सीमित थे, क्योंकि लोग प्रकृति से संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता से भी जुड़े हुए थे। सभी मौसम अपने दायित्व संचालन में मानवीय आचरण के विभिन्न पहलुओं से तादात्म्य स्थापित किए हुए थे।

अतिवृष्टि और अनावृष्टि की घटनाएं कम हुआ करती थीं, क्योंकि प्रकृति अपने संतान को दुख या विपदा देने की स्थिति से हरसंभव परहेज करती थी। यों कहें कि उस कालखंड में मानव और प्रकृति एक दूसरे के पूरक और सहयोगी माने जाते थे। क्रमशः कृषि के धरती पर आगमन ने मानव प्राणी को एक अलग परिधि से युक्त करते हुए उसकी भूख को कृषि संसाधनों के विविध आयाम से सामंजस्य बनाने में अहम भूमिका निभाई। कृषि के विभिन्न प्रकल्पों के चयन से अनेक किस्म के अनाजों के उत्पादन की विधा रची गई, जिसका मूल आधार प्रकृति प्रदत वर्षा के जल को स्वीकार किया गया।

धीरे-धीरे मानवीय सभ्यता के विकास की गति जब तेज हुई तो हम सबकी आवश्यकताओं में भी स्वाभाविक रूप में वृद्धि के द्वार खुलने लगे। धरती ने व्यक्ति को यह संदेश दिया कि तुम मुझे जो अंश हस्तगत करोगे, उसे मैं कई गुना की मात्रा में वापस कर दूंगी। यह प्रक्रिया आज भी शाश्वत है। एक मुट्ठी बीज रूपी अनाज की वापसी कई किलोग्राम के रूप में हमें धरती से होती है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश को विकास की दौड़ में आगे बढ़ने की चुनौती और आवश्यकता थी। मानवीय और वित्तीय संसाधनों की सीमा में देश ने अनेक योजनाओं को शुरू करके विकास की पटकथा लिखना शुरू कर दिया, लेकिन चूक यह हुई कि प्रगति के लक्ष्य-बिंदु को शीघ्रता में स्पर्श करने की अदम्य प्यास ने हमें प्राकृतिक संसाधनों के असीमित भंडार में सेंध लगाने के दुस्साहस से भी लैस कर दिया। इस स्थिति में हम यह आकलन नहीं कर पाए कि विकास का अंतिम लक्ष्य क्या होगा, इसके योजना स्रोत कहीं हमारी प्राकृतिक संपदाओं में क्षरण तो नहीं ला रहे हैं!

अंतहीन विकास का घनघोर जुनून अभी भी हम पर सवार है

कि हमारे कदम रुक नहीं पा रहे हैं। आर्थिक और तकनीकी रफ्तार यह मूल्यांकन करने से परहेज कर रहा है कि जिस दिशा में विकास के ध्वज लहराए जा रहे हैं, वे हमारे भविष्य एवं भावी संतति के लिए कितना उपयोगी हैं। वैज्ञानिक प्रयोग ने यह सिद्ध किया है कि हम जो जल पी रहे हैं, अनाज और अन्य खाद्यान्न सामग्री सेवन कर रहे हैं और जो आक्सीजन ले रहे हैं, उसकी बुनियादी क्षमता में तेजी से क्षरण हो रहा है, क्योंकि इसके मूल अस्तित्व के प्रति हमारी मानवीय और पारंपरिक संवेदनाएं एकपक्षीय तौर पर कठोर हो गई हैं। यही कारण है कि विगत कई माह से प्रकृति ने अपने स्वभाव में रूखेपन से यह चेतावनी जारी की है कि समय रहते हम चेत जाएं, अन्यथा उसके रौद्र में और अधिक भयावहता होगी।

हाल में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के पर्वतीय क्षेत्रों में जलचक्र के बदलाव के कारण बादल फटने के बाद हुई हृदयविदारक स्थितियां स्तब्ध करने वाली हैं। कभी ऐसे क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियां न्यूनतम हुआ करती थीं, लेकिन विगत वर्षों में तथाकथित असंतुलित विकास कार्यों की कड़ी में हुई वृद्धि के कारण बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई, वनों में अग्नि प्रदाह और पर्यटन के लिए अविवेकपूर्ण निर्माण कार्यों ने स्थानीय पारिस्थितिकी को बुरी तरह अपनी चपेट में ले लिया है।

पहाड़ी क्षेत्र के नागरिकों की भी आधुनिक सुख-सुविधाएं और बुनियादी जरूरतें पूरी होनी चाहिए, लेकिन इन्हें मुहैया कराने के मूल्य पर इन क्षेत्रों की नाजुक पर्यावरणीय स्थितियों को भी ध्यान रखना आवश्यक है। विडंबना है कि पर्वतीय क्षेत्रों में वहां के नागरिकों की आवश्यकता से अधिक वहां जाने वाले पर्यटकों की सुविधा की प्राथमिकता हो गई है।

नदी और पर्वतीय क्षेत्र को काटकर वहां आलीशान होटल, पनबिजली संयंत्रों, औद्योगिक इकाई आदि के निर्माण ने भारी संकट ला दिया है। वर्ष 2013 में केदारनाथ की घटना में कई हजार यात्री काल के गाल में समा गए थे और धराली की तरह कई गांव बह गए थे। चिंतनीय स्थिति यह है कि पूर्व की आपदा से हम कुछ सीखते नहीं, बल्कि आत्मघाती उदासीनता की चादर ओढ़ कर भाग्य भरोसे हो जाते हैं।

आपदाएं चाहे मानव निर्मित हो या प्राकृतिक, देश की प्रगति को काफी पीछे ले जाती हैं। बाढ़, भूकम्प, अकाल, चक्रवात, भूस्खलन, हिमस्खलन और कोरोना जैसी महामारी जन मानस को असीमित नुकसान पहुंचाते हुए राज्य की आधारभूत संरचनाओं को भी नष्ट कर देती हैं।

प्रकृति ने मनुष्य के लिए मिट्टी, जल, हवा और वन संपदा मुहैया कराया है, लेकिन ये श्रृंखलाएं आज टूटती नजर आ रही हैं। जरूरत इस बात की है कि अभी भी हम प्रकृति के अस्तित्व को समझने और स्वीकारने की चेष्टा करें। अन्यथा जब प्रकृति नाराज होकर अपना रौद्र रूप धारण करेगी तो हम सबकी मुस्कान अंधेरे और विनाश में जाने को बाध्य होगी। प्रयास हो कि सुबह के भूले शाम को घर वापसी के तर्ज पर असामान्य होती जीवनशैली में सुधार करते हुए हम प्रकृति के विविध स्वरूपों को जीवन की संजीवनी बूटी की शक्ति के रूप में अपनाएं। स्वार्थ के सागर में भौतिक प्यास सदैव अधूरी ही रही है।

आधुनिक, सशक्त व शक्तिशाली नए भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री 'नरेन्द्र मोदी'

भारत में लंबे समय तक लगातार सत्ता में रहते हुए सेवा करने वाले राजनेता, राष्ट्रहित और जनहित को हमेशा सर्वोपरि रखने वाले, मां भारती के सच्चे-सपूत, नए आधुनिक सशक्त शक्तिशाली भारत के शिल्पकार और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितंबर को जन्मदिन है। मैं उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आप दीर्घायु हों और सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें और देश का नाम रोशन करते रहें और हम भारतवासियों का मार्गदर्शन करते रहें। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने कार्यों के दम पर अब आधुनिक, सशक्त, शक्तिशाली नए भारत के शिल्पकार बन चुकें हैं, यह तथ्य अब किसी से भी छिपा हुआ नहीं है। कोई भी व्यक्ति राजनीतिक लाभ लेने के चलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत के नव निर्माण के लिए दिये गये योगदान को कमतर आंकने का कार्य कर सकता है। लेकिन धरातल पर सच्चाई यह है कि नरेन्द्र मोदी ने देश में आजादी के दशकों बाद दूरदराज के दुर्गम इलाकों तक में भी हम भारतीयों के लिए विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का कार्य किया है, जो काबिले-तारीफ व अचंभित करने वाला है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आज बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव हो रहा है। रेलवे, हाईवे, एक्सप्रेस-वे, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन विश्व स्तरीय ढांचा तैयार किया जा रहा है। अभी तक के तैयार ढांचे ने ही देशवासियों के जीवन को बेहद सरल बनाते हुए देश के विकास को तेजी गति देते हुए धरातल पर समृद्धि को बढ़ावा देने का कार्य कर दिखाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत अब अगली पीढ़ी के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण करने में दिन-रात जुटा हुआ है। जो कार्य स्थिरता और दीर्घकालिक सोच से प्रेरित है। नरेन्द्र मोदी का यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार करने का कार्य बखूबी कर रहा है। देश में आधुनिक रेलवे स्टेशन, बंदरगाह, सड़क व रोपवे आदि जगह-जगह बन रहे हैं। पूरे देश में सड़क, हवाई, रेल व जल मार्ग से यात्रा व माल ढुलाई आदि की सुविधा को बेहतर किया जा रहा है। वैसे भी नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि - 'स्मार्ट शहर, सुरक्षित सड़कें और आसान यात्रा - यही है नए भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर वादा।' जिस वादे को नरेन्द्र मोदी धरातल पर साकार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण को वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम मानते हैं। देश की सीमाओं की रक्षा की बात करें तो नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश के वीर योद्धाओं के हाथ दुश्मन पर कार्रवाई के लिए पूरी आजादी के साथ खुले हुए हैं, जिसकी बानगी देश व दुनिया के लोग सर्जिकल स्ट्राइक व अभी हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर में देख चुके हैं।

वहीं आम-जनमानस के हित के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें मुख्य रूप से जन धन योजना, कौशल भारत मिशन, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, श्रमेव जयते योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, हृदय योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, उजाला योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री ज्योति ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, स्मार्ट सिटी योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, स्वर्ण मुद्रीकरण योजना, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना, उदय, स्टार्ट-अप इंडिया, सेतु भारतम योजना, स्टैंड अप इंडिया, ग्रामोदय से भारत उदय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, नमामि गंगे योजना, पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना, प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत योजना, आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना आदि योजनाएं हम भारतवासियों के जीवन स्तर में सुधार करते हुए उसे बेहतर बनाने कार्य कर रही हैं।

वैसे कोई नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में लाख कमियां निकाले लेकिन जनता की अदालत की सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जन-जन की आशा और राष्ट्र की आकांक्षा के प्रतीक बन चुकें हैं। देश व दुनिया के लोग देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में भारत का बहुत तेजी से सर्वांगीण विकास हो रहा है। नया भारत अब आत्मनिर्भरता, विकास और वैश्विक सम्मान की नई ऊंचाइयों को छूने का कार्य कर रहा है। मोदी के संकल्पित नेतृत्व में ही विकसित भारत की दिशा में राष्ट्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी के साथ मजबूत होती जा रही है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया के ताकतवर देशों को पीछे छोड़ रही है। देश में बहुत ही तेजी से विश्व स्तरीय सड़कों व एक्सप्रेस-वे का जाल बिछा कर के विकास पथ का निर्माण करते हुए विकास को तेज गति दी जा रही है, आज हमारा प्यारा देश भारत दुनिया के निवेशकों की पसंदीदा जगह बनता जा रहा है, भारत में अब तेजी से विदेशी कंपनियों के बड़े-बड़े कल-कारखाने खुलने लगें हैं। आर्थिक स्तर के मोर्चे के साथ-साथ सामरिक स्तर पर भी अब तो दुनिया भारत का लोहा मानने लगी है, दुनिया सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर में देश के वीर जांबाजों का दमखम देख चुकी है।

वैसे भी देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कार्यशैली के बलबूते देश की राजनीति को अपने इर्दगिर्द केन्द्रित रखते हुए आम जनमानस के दिलोदिमाग पर छा जाने का कार्य बेहद ही सफलता के साथ किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया की उन शख्सियतों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी कार्यशैली, मेहनत, वाकपटुता, मंत्रमुग्ध कर देने वाली करिश्माई भाषण शैली, राष्ट्रहित व जनहित के कार्यों के बलबूते लोगों के दिलों में जगह बनाने का कार्य किया है। जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी राजनीति के जबरदस्त प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्र में भी पिछले कई दशकों से लगातार महत्वपूर्ण पदों पर विराजमान हैं। वैसे तो नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में ही काम के दम पर एक बहुत लंबी रेखा खींचने का कार्य किया था, लेकिन वर्ष 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रधानमंत्री पद का दायित्व सम्हालने का कार्य किया था, उसके बाद तो उन्होंने फिर कभी पीछे मुड़कर ही नहीं देखा है। जिसके बाद से ही नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में दिन-प्रतिदिन तेजी से इजाफा हुआ है और वह भारत के साथ-साथ दुनिया भर में लोगों की पसंदीदा ताकतवर राजनीतिक शख्सियत बनकर के उभरे हैं, इसकी एक बानगी अभी हाल ही में दुनिया ने अमेरिका से टैरिफ विवाद के समय और चीन दौरे के समय देखी है, विवाद के बाद नरेन्द्र मोदी को अपने से दूर होता देखकर अब तो दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प तक भी नरेन्द्र मोदी को अपना दोस्त बता रहे हैं और महान बता रहे हैं।

संगठनात्मक स्तर की बात करें तो नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल करके पार्टी के भविष्य को पूरी तरह से ही बदल डालने का कार्य किया था। इसके बाद तो नरेन्द्र मोदी की लहर के दम पर ही देश के चुनावी मैदान में चुनाव दर चुनाव भाजपा जीतती गयी और केन्द्र व राज्यों की राजनीति से विपक्षी दलों का सफाया होता चला गया था। आज स्थिति यह हो गयी है कि प्रसिद्धि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहे हैं बल्कि वह दुनिया में भी बेहद लोकप्रिय होकर के विश्व की उन चंद ताकतवर अहम शख्सियतों में शामिल हो चुकें हैं, जिनकी राजनीति व कार्यशैली का लोहा देश-विदेश के ताकतवर लोग भी मान रहे हैं, जो वैश्विक स्तर पर भारत के लिए एक बहुत ही अच्छा सकारात्मक संदेश है।

हालांकि हर वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता को भुनाने के लिए उनके जन्मदिवस 17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर तक देश भर में 'सेवा पखवाडा' चलाने का फैसला किया है। इसमें स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, मैराथन, दिव्यांग शिविर आदि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अच्छे से जानते हैं कि इस अवसर को खूबसूरती के साथ एक सफल मेगा ईवेंट में किस तरह से बदला जा सकता है, इसलिए भाजपा 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से लेकर के 2 अक्टूबर तक पूरे देश में 'सेवा पखवाड़े' पर जनहित के विभिन्न प्रकार के अभियान चलायेगी, जिससे आम जनमानस भाजपा के प्रति आकर्षित होकर मोदी मैजिक के दम पर उससे निरंतर जुड़ा रहे।

आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परम्परा की अमूल्य धरोहर - डॉ गिरीन्द्र सिंह तोमर

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयुर्वेद दिवस समारोह में भारतीय ज्ञान परम्परा एवं आयुर्वेद' विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन झंडु के सहयोग से सम्पन्न हुआ । जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ ललित कुमार त्रिपाठी ने की । सारस्वत अतिथि के रूप में वैश्विक हिन्दी महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विजयानंद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हण्डिया के प्राचार्य डॉ केदार नाथ उपाध्याय, मोतीलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज की पूर्व शोध अधिकारी एवं डॉ शांति चौधरी उपस्थित रहे । इस अवसर पर विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ जी एस तोमर ने मुख्य वक्ता के रूप में अपना उद्बोधन दिया । प्रारम्भ में धन्वंतरि पूजन अर्चन के बाद कार्यक्रम की संयोजक डॉ अपराजिता मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया । उसके बाद विषय प्रवर्तन करते हुए मुख्य वक्ता प्रो.(डॉ.) गिरीन्द्र सिंह तोमर ने वेदों को सृष्टि के उत्पत्ति काल से ही ज्ञान का अजस्र स्रोत बताया । उन्होंने कहा कि अथर्ववेद का उपांग होने के नाते आयुर्वेद की प्राचीनता स्वतः प्रमाणित है । भारतीय वांग्मय में आयुर्वेद, योग, प्राकृत विज्ञान, गणित, ज्योतिष, खगोल विज्ञान, विमान शास्त्र एवं धातु विज्ञान की समृद्ध, बहुआयामी, अद्भुत एवं अकल्पनीय ज्ञान परम्परा का दिग्दर्शन होता है । इसकी वैज्ञानिकता आज सम्पूर्ण विश्व मानने लगा है । मंत्रदृष्टा ऋषियों ने अपनी दिव्य दृष्टि

एवं अनुभव से जो ज्ञान तत्कालीन ग्रंथों में उकेरा है वह आज के वैज्ञानिक मापदंडों पर पूरी तरह खरा उतर रहा है । डॉ तोमर ने कहा कि आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा विधा ही नहीं सम्पूर्ण जीवन दर्शन है । इसकी गुणवत्ता पूर्ण औषधियाँ जहाँ प्रभावी एवं निरापद हैं वहीं इसकी आदर्श जीवनशैली वैश्विक धरातल पर अनुकरणीय एवं लोकप्रिय सिद्ध हो रही हैं । प्रो. तोमर ने अपने सम्बोधन में आगे कहा कि हम सबके लिए यह प्रसन्नता का विषय है की नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा को स्कूलों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल कर लिया गया है। इससे हमारी नई पीढ़ी हमारे ज्ञान परंपरा के गौरव से परिचित हो सकेगी। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय ज्ञान- विज्ञान परंपरा न केवल प्राचीन काल में बल्कि आज भी विज्ञान, चिकित्सा, गणित और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए हैं। भारत के मनीषियों और वैज्ञानिकों का योगदान आने वाले समय में भी अमूल्य होगा। भारतीय ज्ञान की यह परंपरा हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कहा कि विकास के शिखर पर वहीं पहुंचते हैं, जो अपने इतिहास पर गौरवान्वित होकर वर्तमान में कठोर परिश्रम द्वारा ध्येयपथ पर अग्रसर होते हैं । इस अवसर पर डॉ तोमर ने काव्य पाठ भी किया । सारस्वत अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में डॉ विजयानंद ने हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला एवं काव्य पाठ किया । डॉ केदार नाथ उपाध्याय ने आयुर्वेद की बढ़ती हुई लोकप्रियता को शिखर तक पहुँचाने के लिये इसे जन जन तक पहुंचाना होगा । डॉ शांति चौधरी ने आयुर्वेद को निरापद एवं प्रभावी चिकित्सा पद्धति बताते हुए इसे समय की माँग बताया । डॉ मनोज सिंह ने कहा कि आयुर्वेद दिवस को मनाने के लिए आयुष मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के अनुसार आखरिी छोर पर खड़े हुए व्यक्ति तक आयुर्वेद पहुँचाना है । अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ ललित कुमार त्रिपाठी ने आयुर्वेद को देश की अमूल्य धरोहर बताया । उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमारी परम्परा में इस तरह समाया हुआ है कि इसे भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली से पृथक नहीं किया जा सकता । हमारी ज्ञान परम्परा इतनी समृद्ध एवं शाश्वत है कि इसे आज के वैज्ञानिक युग में भी नकारा नहीं जा सकता । हर नवीन अन्वेषण के मूल में भारतीय ज्ञान परम्परा के छिपे हुए बीज हमारी समृद्ध धरोहर के प्रमाण दे रहे हैं । कार्यक्रम का संचालन डॉ अवनीश पाण्डेय ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अंकित मिश्र ने किया । इस अवसर पर डा.अवधेश कुमार त्रिपाठी, डा.आशीष कुमार मौर्य, डा.सुरेश पाण्डेय, डा.अंजनी कुमार, डा.यशवंत त्रिवेदी, अनुराग अष्ठाना, मनीष त्रिपाठी, अश्वनी लंके एवं शताधिक छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

एलोपैथिक डॉक्टरों ने हड़ताल की दी धमकी, महाराष्ट्र में 18 सितंबर को 24 घंटे बंद रहेंगे अस्पताल

मुंबई। महाराष्ट्र में लगभग 1.8 लाख एलोपैथिक डॉक्टर 18 सितंबर को सुबह 8 बजे से 24 घंटे की हड़ताल करेंगे। यह हड़ताल राज्य सरकार के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें होम्योपैथिक डॉक्टरों को एक विशेष कोर्स के बाद एलोपैथिक दवाइयां लिखने की अनुमति दी गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) महाराष्ट्र के अध्यक्ष डॉ. संतोष कदम ने बुधवार को कहा कि सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के डॉक्टर और मेडिकल छात्र इस हड़ताल में शामिल होंगे। हालांकि, आपातकालीन सेवाएं जारी रहेंगी।

क्या है विवाद की वजह?

राज्य सरकार ने हाल ही में महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल (एमएमसी) को निर्देश दिया था कि जो होम्योपैथिक डॉक्टर एक साल का सर्टिफिकेट कोर्स इन मॉडर्न फार्माकोलॉजी (सीसीएमपी) पूरा कर चुके हैं, उन्हें एमएमसी में पंजीकृत किया जाए। इसके बाद वे सीमित मामलों में एलोपैथिक दवाइयां लिख सकेंगे। 5 सितंबर को इस संबंध में नया सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया गया, जिससे एलोपैथिक डॉक्टर नाराज हो गए।

क्या है डॉक्टरों की आपत्ति?

डॉ. संतोष कदम का कहना है कि यह फैसला मरीजों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। आईएमए ने अपनी चिट्ठी में सरकार को चेताया है कि ऐसे डॉक्टरों के पास पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं होगा। इससे गलत इलाज, गलत दवाइयां, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस और मरीजों की मौत जैसी गंभीर स्थितियां पैदा हो सकती हैं, खासकर ग्रामीण इलाकों में। आईएमए ने यह भी कहा कि इस फैसले से लोगों के मन में भ्रम और अविश्वास पैदा होगा, महाराष्ट्र के मेडिकल सेक्टर की अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता पर असर पड़ेगा और अन्य वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के डॉक्टर भी इसी तरह की मांग कर सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था में अराजकता फैल जाएगी।

बढ़ सकता है हड़ताल का दायरा

सेंट्रल मार्ड (एमएआरडी) और बीएमसी मार्ड, जो सरकारी और बीएमसी मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टरों के संगठन हैं, उन्होंने भी हड़ताल में शामिल होने का एलान किया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशंस के अध्यक्ष डॉ. अक्षय डोंगर्डीवे ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया तो डॉक्टर सड़क पर उतरकर देशव्यापी आंदोलन करेंगे। बता दें कि महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल (एमएमसी) ही राज्य में डॉक्टरों का पंजीकरण और नियमों की निगरानी करती है।

विश्वकर्मा पूजा पर नीतीश सरकार की बड़ी सौगात, 16 लाख श्रमिकों को 802 करोड़ की राहत

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर एक वार्षिक योजना के तहत 16.4 लाख निर्माण श्रमिकों के खातों में लगभग 802 करोड़ रुपये हस्तांतरित करने की घोषणा की। राज्य सरकार इस अवसर पर 'मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना' का एक वेब पोर्टल भी लॉन्च करेगी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर भी मनाया जा रहा है। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि आज सृजन के प्रणेता भगवान विश्वकर्मा की आराधना का दिवस है और आज ही आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिवस भी है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी देश एवं नागरिकों के उत्थान के लिए पूरी निष्ठा के साथ बिना रूके, बिना थके लगातार परिश्रम कर रहे हैं। यह सुखद संयोग है कि 'बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड' के तहत श्रमिकों के खाते में आज राशि हस्तांतरित की जा रही है। आज 16 लाख 4 हजार 929 निर्माण श्रमिकों के खाते में वार्षिक वस्त्र सहायता योजनान्तर्गत 5 हजार रुपए प्रति निर्माण श्रमिक की दर से कुल 802 करोड़ 46 लाख 45 हजार रुपए की राशि का अन्तरण सीधे उनके खाते में किया जा रहा है। इससे निर्माण कार्यों में लगे श्रमिक वर्ग के लोगों का जीवन और बेहतर हो सकेगा एवं उनका सामाजिक एवं आर्थिक विकास होगा। नीतीश कुमार ने ने कहा कि इस सुअवसर पर मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के वेब पोर्टल का भी शुभारंभ किया जा रहा है। समाज के अंतिम पायदान के लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिए हमलोग शुरू से कार्य कर रहे हैं। आज राज्य जिस प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में तरक्की के नए आयामों को छू रहा है, उसमें हमारे श्रमिक भाई-बहनों का अतुलनीय योगदान है। उनके विकास के लिए सरकार लगातार काम करती रहेगी। इस सुअवसर पर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनके जन्मदिन पर एक बार फिर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

एमएनएनआईटी इलाहाबाद में एआई और अगली पीढ़ी के नेटवर्क पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी), इलाहाबाद का कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग 18 से 20 सितंबर, 2025 तक अगली पीढ़ी के नेटवर्क और परिनियोजन योग्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एनजीएनडीएआई-2025) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में शोधकर्ता, उद्योग जगत के अग्रणी और शिक्षाविद कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, 5जी/6संचार, आईओटी और बुद्धिमान नेटवर्क के क्षेत्र में अत्याधुनिक विकास पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर आएंगे।

शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच सेतु निर्माण पर विशेष ध्यान देते हुए, इस सम्मेलन का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, उभरती चुनौतियों का समाधान करना और भविष्य के अनुसंधान सहयोग का मार्ग प्रशस्त करना है। सम्मेलन के संरक्षक एवं निदेशक प्रो. आर. एस. वर्मा के अमूल्य सहयोग और स्नेहिल मार्गदर्शन से इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रो. एम. एम. गोरे (मुख्य अध्यक्ष), प्रो. मयंक पांडे (आयोजन अध्यक्ष) और डॉ. दीपक गुप्ता (आयोजन सचिव) कर रहे हैं, जिसे एएनआरएफ, सीएसआईआर, एचपी और डी-लिंक द्वारा प्रायोजित किया गया है। उपरोक्त सम्मेलन को प्रायोजको के रूप में केन्द्रीय शोध संस्थाओ, अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) एवं वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) तथा उद्योग जगत के एचफी और डी-लिंक का सहयोग प्राप्त हुआ हैं।

एनजीएनडीएआई-2025 मे विभिन्न देशो से 576 शोधपत्र प्राप्त हुए जो इसकी महत्वपूर्ण वैश्विक भागीदारी को प्रदर्शित करता हैं, उपरोक्त 576 शोधपत्रो में से 103 शोधपत्रो का चयन इस सम्मेलन में वाचन के लिए किया गया हैं। सम्मेलन में इन चयनित 103 शोधपत्रो की प्रस्तुतियों के लिए समर्पित 21 तकनीकी सत्रो का आयोजन किया जायेगा । इसके अतिरिक्त इस सम्मेलन में आठ प्रतिष्ठित मुख्य वक्ताओं के सत्रो का आयोजन भी किया जायेगा । मुख्य रूप से सम्मिलित होने वाला वक्ता, प्रोफ़ेसर पी. एन. सुगंथन (कतर विश्वविद्यालय, कतर), प्रोफ़ेसर राम बिलाश पचोरी (आईआईटी इंदौर), डॉ. आदित्य निगम (आईआईटी मंडी), मेहुल अग्रवाल (एचसीएलटेक), मनीष बाजपेयी (निवेत्ती सिस्टम्स), अनुराग पांडे (एचसीएलटेक नोएडा), प्रोफ़ेसर गिरिजा चेट्टी (कैनबरा विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया), और प्रोफ़ेसर सुकुमार नंदी (आईआईटी गुवाहाटी), नेक्सट जेनेरेशन नेटवर्किंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के विभिन्न शोध आयामो पर व्याख्यान देंगे । सभी स्वीकृत शोधपत्र स्प्रिंगर के लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स (एलएनएनएस) में तीन खंडों में प्रकाशित किए जाएंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य शोध छात्रों, तकनीकी शिक्षाविद् और उद्योग जगत के लोगों के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करना हैं जहाँ इन सबके सहयोग से अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकी एवं आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस के चुनौतियों एवं समस्याओ के समाधान पर चर्चा की जायेगी एवं भविष्य के शोध मार्ग को रेखांक्ति किया जायेगा।

भगवान विश्वकर्मा जयंती पर सीआरपीएफ शाखा में विशाल भंडारे का आयोजन

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पडिला स्थित वीआईपी-224 बटालियन के कमांडेंट योगेश पुरोहित के कुशल निर्देशन में मोटर परिवहन शाखा परिसर में बुधवार को शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई कार्यक्रम में श्रद्धालुओं और जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।सुबह से ही परिसर में धार्मिक माहौल रहा। शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा के सामने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना बल के उप कमांडेंट निरंजन सैनी ने की उन्होंने कहा की सृष्टि का प्रथम शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की आराधना से कर्मक्षेत्र में सफलता और समृद्धि प्राप्त होती है। और धार्मिक भंडारे का आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि इससे आपसी भाईचारे और सामूहिकता की भावना भी मजबूत होती है।

स्वच्छता ही सेवा का भव्य शुभारंभ

जगह जगह पद श्रमदान और स्वच्छता शपथ के साथ स्वच्छ भारत स्वच्छ प्रयागराज का संकल्प

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मा. जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के अंतर्गत 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान का शुभारंभ आज नगर निगम प्रयागराज द्वारा भारद्वाज आश्रम में किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मा. जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, सांसद, विधायक, महापौर एवं नगर निगम के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मा. मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बालासन चौराहा स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण और वृक्षारोपण से की। इसके पश्चात उन्होंने सामूहिक श्रमदान में भाग लिया।

सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा, 'प्रयागराज स्वच्छता के नए आयाम निरंतर स्थापित कर रहा है। अधिकारियों, सफाई मित्रों और आम जनमानस की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान जन आंदोलन का स्वरूप ले रहा है।' उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर

पर आज शहरभर में नागरिकों ने जगह-जगह श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों में विधायक दीपक पटेल (फूलपुर), विधायक हर्षवर्धन वाजपेई (शहर उत्तरी), विधायक गुरू प्रसाद मौर्य, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता, कर निर्धारक संजय ममगाई, नवनीत कुमार शंखवार सहित नगर निगम प्रयागराज की पूरी टीम मौजूद रही।

शहर के कई जोन में एक खाली प्लॉट को पूरी तरह साफ कर वहां की स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी रहवासियों एवं स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति को सौंपी गई।

महापौर गणेश केसवानी ने कीडगंज स्थित दाधीकांदो मेला प्रांगण में स्वयं श्रमदान कर नागरिकों को प्रेरित किया। नगर निगम की टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाकर कई चौराहों व कचरा जमाव बिंदुओं को परिवर्तित कर स्वच्छ बनाया।

नगर आयुक्त सीलम साई तेजा ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा 2025 केवल अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी का उत्सव है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग दें और प्रयागराज को प्लास्टिक मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

लखनऊ में निकाय कर्मचारी महासंघ की आगामी 9 अक्टूबर को महारैली का ऐलान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के आवाहन पर लखनऊ में होने वाली 9 अक्टूबर को महारैली की तैयारी हेतु आज महासंघ के कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश अग्निहोत्री महामंत्री रमाकान्त मिश्रा मुन्ना हजारिया, अध्यक्ष नगर निगम कर्मचारी एसोसियेशन कानपुर व सुधाकर मिश्रा, लखनऊ के नेतृत्व में नगर निगम प्रयागराज में एक बैठक का आयोजन किया गया दिनांक 9 अक्टूबर को लखनऊ में होने वाले महा रैली के संबंध में जानकारी दी गई और वहां सभी कर्मचारियों को भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया । उण्प्रण्स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ प्रदेश के निकाय कर्मचारियो की वर्षो से लम्बित मांगो का गत वर्षो में की गयी महत्वपूर्ण बैठके हुई इन बैठको में लिए गए निर्णयो का आज लगभग 7.8 वर्ष हो गए परन्तु खेद है कि मा0मंत्री नगर विकास, प्रमुख सचिव नगर विकास आदि के आदेश निर्देश के बाद 13 सूत्रीय मांग पत्र के किसी भी बिन्दु पर कोई भी आदेश व निर्णय नही लिया जा सका है।

महासंघ ने इन 7-8 वर्षो में सैकड़ो पत्राचार, ज्ञापन, बैठक, धरना.प्रदर्शन, सांकेतिक कार्य बन्दी पूरे प्रदेश की नगर निगमो, नगर पालिकाओ व नगर पंचायतो आदि में जनजागरण मीटिंग, बैठको के माध्यम से कर्मचारी समाज को जगाने का काम किया, निकाय कर्मचारियो को उनकी मांगो समस्याओ से शासन को अवगत करता चला आ रहा परन्तु शासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 2017 से लगातार 13 सूत्रीय मांगों पर विचार न किया जाना। नगर निगम

को एक बड़े आन्दोलन में ले जाना होगा। उक्त बैठक में महासंघ के पदाधिकारियों के अतिरिक्त मनोज श्रीवास्तव, अध्यक्ष प्रदीप नेता सफाई यूनियन, बलराम पटेल, सफाई एकता संघ, कमल कुशवाहा, विवेक श्रीवास्तव, राजेश सिंह, वीरेन्द्र खरे, राजा कुशवाहा, विशाल श्रीवास्तव, धर्मराज सिंह, लता सफाई नायक एवं अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के 40 नंबर गोमती नई बस्ती में बीती रात एक किशोर ने फांसी लगाकर जान दे दी है मृतक एस. कुमार यादव (17 वर्ष) पुत्र राहुल यादव है। वह फाफामऊ के एक विद्यालय में इंटरमीडिएट का छात्र था।

परिजनों के अनुसार, मंगलवार रात तकरीबन बारह बजे तक यश कुमार अपने परिवार के साथ बैठकर बातचीत किया था। इसके बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया। बुधवार सुबह जब उसकी मां ननकी देवी ने दरवाजा खटखटाया और कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने खिड़की से अंदर झांककर देखा। कमरे के भीतर बेटे को गमछे से फंदे पर लटका देखकर वह दहाड़ मारकर रो पड़ीं।घटना की सूचना तुरंत थरवई पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मृतक के पिता राहुल यादव प्रतापगढ़ पुलिस लाइन ट्रेनिंग सेंटर में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं। परिवार में मां ननकी देवी और दो बेटे रहते हैं। मृतक यश कुमार बड़ा था जबकि छोटा भाई श्रेयांश है।अचानक हुई इस घटना से परिजन दुखी हैं। घटनास्थल पर पहुंचे ए सी पी थरवई चंद्रपाल सिंह का कहना है आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है पुलिस जांच कर रही है

सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में भगवान विश्वकर्मा की जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ बनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पडिला स्थित एम टी परिसर में भगवान विश्वकर्मा जयंती बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया सुबह से ही परिसर में तैयारी का माहौल रहा। सबसे पहले पूजा स्थल को सजाया गया और भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को फूल-मालाओं से अलंकृत किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण और हवन के बीच पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। जवानों और अधिकारियों ने एक-एक कर शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की आरती उतारी और भगवान विश्वकर्मा से अपनी कार्यक्षमता, प्रगति और सुरक्षा की कामना की। गई पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया गया, जिसे सभी ने आशीर्वाद स्वरूप ग्रहण किया। इस अवसर पर कमांडेंट उदय प्रताप सिंह ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को विश्व के प्रथम इंजीनियर और शिल्पकार माना जाता है। उन्होंने मानव सभ्यता को निर्माण और तकनीकी ज्ञान का आधार दिया। इसलिए हर वर्ष शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाकर हम उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कमांडेंट डॉ. संजू सिंह उप कमांडेंट राकेश त्रिपाठी उप कमांडेंट उप कमांडेंट मंत्रालय के के झा ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पर्व हमें मेहनत, लगन और ईमानदारी के साथ काम करने की प्रेरणा देता है।सहायक कमांडेंट अविनाश राय, सहायक कमांडेंट प्रभात पांडेय, सहायक कमांडेंट शैलेश कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट मंत्रालय प्रवेश कुमार शर्मा, एस.एम. राजेंद्र सिंह निरीक्षक ईस नारायण मिश्र सहित बड़ी संख्या में जवानों ने भी उपस्थिति दर्ज कराई और पूरे अनुशासन व श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना में शामिल हुए।

भिवंडी में भी 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान का शुभारंभ

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इंदौर में 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान का शुभारंभ किया। इसी के तहत शासन से प्राप्त निर्देशानुसार भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका क्षेत्र में भी इस अभियान की औपचारिक शुरुआत बाई गुलबाई पेटीट दवाखाना (बीजीपी-यूसीएचसी) में की गई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मनपा के अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के हाथों हुआ। अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की प्रसूति पूर्व जांच, टीकाकरण सेवा, हीमोग्लोबिन टेस्ट, क्षयरोग (टीबी) व सिकलसेल की जांच सहित कई स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। साथ ही आयुष्मान कार्ड और आधार आधारित कार्ड की नोंदणी कर पात्र लाभार्थियों को कार्ड वितरित किए गए। इस अवसर पर कुल 245 महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम में उपस्थित वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर ने अभियान के अंतर्गत की जाने वाली जांचों और उनसे महिलाओं को होने वाले फायदों की जानकारी दी।।अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके ने चिकित्सा विभाग और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए अधिक से अधिक महिलाओं को इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।अभियान के शुभारंभ के बाद क्षयरोग विभाग प्रमुख डॉ. बुशरा शेख ने लोगों से 'निक्षय मित्र' बनने की अपील की ताकि टीबी रोगियों को सहयोग मिल सके। इस अवसर पर अब तक टीबी मरीजों की मदद करने वाले नागरिकों और संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में बीजीपी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. विद्या शेट्टी, डॉ. बारोड, प्रशासन अधिकारी नितेश चौधरी, आशा सेविका समेत बड़ी संख्या में महिला उपस्थित थीं। महानगरपालिका प्रशासन ने जानकारी दी है कि 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। प्रशासन ने सभी महिलाओं से अपील की है कि वे अपने नजदीकी शहरी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर इस अभियान का लाभ लें और संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं।

भिवंडी मनपा चुनाव में शिवसेना उबाठा ने फूंका चुनावी बिगुल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। आगामी 2025-26 भिवंडी-निजामपूर शहर महानगरपालिका चुनाव की तैयारियों को लेकर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने बुधवार, 14 सितंबर को अजयनगर स्थित शहर-जिला शाखा कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर चुनावी बिगुल फूंक दिया है। बैठक शिवसेना पक्षप्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और युवानेता आदित्य ठाकरे के मार्गदर्शन में, शिवसेना नेता एवं सांसद विनायक राऊत के नेतृत्व में हुई। इसमें शहर पूर्व-पश्चिम क्षेत्र के 23 पैनलों के शाखाप्रमुखों ने भाग लिया। बैठक में शिवसेना उपनेता ज्योती ठाकरे, उपनेता अल्ताफ शेख, भिवंडी महानगरपालिका पूर्व-पश्चिम विधानसभा संपर्क प्रमुख किशोर पोतदार, शहर जिला प्रमुख मनोज गगे, जिला संघटीका वैशाली मेस्त्री, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी और पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।इस दौरान प्रभाग रचना, भौगोलिक सीमांकन, मतदाता सूची और बीएलए नियुक्ति जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। नेताओं ने शाखाप्रमुखों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में शिवसेना उबाठा के अधिक से अधिक नगरसेवक चुनकर आएं, इसके लिए कार्यकर्ताओं को अभी से मैदान में उतरना होगा। बैठक में कार्यकर्ताओं से चुनावी रणभेरी बजाने और जनता तक पहुँच बनाने का आह्वान किया गया। इस मौके पर अरुणा पाटील, कमरुद्दीन शेख, मनीष गीरी, सुरेश पाटील, रमेश धोत्रे, बलराज तिरमदास, अंकुश चव्हाण, मधुकर जाधव, राजेश एरम, लक्ष्मण हुंबारकर, धीरज चव्हाण, विवेक जोशी, व्यंकटेश कर्ली, गणेश घोसके, स्वप्नील जोशी, विजय कुंभार,अर्जुन कासार,अनिल मच्छा, अंजना संदुपाटला,आलिम शेख, नुरा नाशिककर, अजय तेजे, प्रविण गुलवी संतोष विमुल, महेश बोल समेत बड़ी संख्या में शिवसेना पदाधिकारी और शाखाप्रमुख मौजूद रहे।

भिवंडी मनपा चुनाव में तीसरी आघाड़ी की चर्चा तेज, पारंपरिक दलों की मुश्किलें बढ़ीं

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका चुनाव की सरगर्मियां तेज होते ही शहर की राजनीति में नए समीकरण बनते-बिगड़ते नजर आ रहे हैं। भाजपा, शिवसेना और अन्य प्रमुख दलों ने जहां अपने-अपने उम्मीदवार तलाशने की कवायद शुरू कर दी है, वहीं अब तीसरी आघाड़ी की संभावनाओं ने चुनावी मुकाबले को और रोचक बना दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ-साथ कई अन्य स्थानीय संगठनों व छोटे दलों के नेता भी इस नए मोर्चे का हिस्सा बन सकते हैं। बताया जा रहा है कि इन दलों से जुड़े कई पूर्व नगरसेवक तथा सक्रिय कार्यकर्ता तीसरी आघाड़ी में शामिल होने के लिए तैयार हैं। यही नहीं, पिछले कार्यकाल में राजनीतिक दलों से दूरी बना चुके कुछ अनुभवी नेता भी इस गठबंधन के माध्यम से चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। भिवंडी महानगरपालिका की कुल 90 सीटों पर होने वाले इस चुनाव में पहले से ही कई नए चेहरे किस्मत आजमाने को तैयार हैं। ऐसे में अगर तीसरी आघाड़ी वजूद में आती है तो मुकाबला त्रिकोणी ही

नहीं, बल्कि कई वार्डों में बहुकोणी भी हो सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मोर्चा अल्पसंख्यक, मजदूर वर्ग और हाशिए पर खड़े तबकों को साधने की कोशिश करेगा। इसके अलावा स्वतंत्र उम्मीदवारों के लिए भी यह गठबंधन एक मजबूत विकल्प साबित हो सकता है।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि अगर यह आघाड़ी मजबूत तरीके से चुनाव मैदान में उतरी तो पारंपरिक दलों को अपने-अपने उम्मीदवारों की खोज में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें नए चेहरों पर दांव लगाना पड़ सकता है, क्योंकि कई पुराने नगरसेवक इस गठबंधन का हिस्सा बन सकते हैं। चुनावी माहौल को देखते हुए साफ है कि इस बार का महासंग्राम बेहद दिलचस्प होगा। भिवंडी की राजनीति में यह तीसरी आघाड़ी यदि सशक्त रूप से उभरती है, तो न सिर्फ बड़े दलों की रणनीतियों को चुनौती मिलेगी, बल्कि आने वाले वर्षों में शहर की सियासत की दिशा भी बदल सकती है।

भिवंडी में मनपा स्तरीय शालेय बुद्धिबल प्रतियोगिता का शुभारंभ

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।राज्य शासन के क्रीड़ा व युवा सेवा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे के मार्गदर्शन में तथा भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका की ओर से आयोजित जिलास्तरीय शालेय बुद्धिबल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज स्व. राजय्या गाजेंगी सभागृह में किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मनपा प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के हाथों हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आयुक्त सागर ने कहा कि 'हर खेल एकाग्रता और अनुशासन की मांग करता है। बुद्धिबल केवल मस्तिष्क का खेल नहीं, बल्कि शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी उतना ही आवश्यक है। हार-जीत खेल का स्वाभाविक हिस्सा है, किंतु वास्तविक महत्व भागीदारी का है।' कार्यक्रम में मनपा क्रीड़ा विभाग के उपायुक्त विक्रम दराड़े, शिक्षा विभाग के उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर, क्रीड़ा विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, क्रीड़ा अधिकारी शरद कलावंत तथा ठाणे जिला बुद्धिबल संघ के पदाधिकारी मोहित लाडे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में मनपा क्षेत्र की 40 शालाओं के लगभग 550 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी क्रम में उपायुक्त (क्रीड़ा) विक्रम दराड़े ने 2025-26 की शालेय क्रीड़ा स्पर्धाओं में सभी शालाओं से सक्रिय सहभागिता का आवाहन किया।

ऑटो-रिक्शा में यात्रा कर रही युवती के साथ छेड़छाड़, सह-यात्री के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी में मंगलवार की रात एक 22 वर्षीय नौकरीपेशा युवती के साथ ऑटो-रिक्शा में यात्रा के दौरान एक सह-यात्री ने छेड़छाड़ की। यह शर्मनाक घटना कशेली ब्रिज पर हुई। पीड़िता की शिकायत के बाद, नारपोली पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अर्जुन रमेश आचार्य (28) और पीड़िता एक ही गाँव के निवासी हैं। 16 सितंबर की रात लगभग 9 से 9:30 बजे के बीच, जब पीड़िता काम से घर लौट रही थी, उसी रिक्शा में बैठे आरोपी अर्जुन ने उसके साथ छेड़छाड़ की, जिससे पीड़िता को अपमानजनक महसूस हुआ।

पीड़िता की शिकायत पर, पुलिस ने अर्जुन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 के तहत नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है।

दहेज प्रताड़ना के आरोप में पति और ससुराल वालों पर मामला दर्ज

भिवंडी। शहर के शांतिनगर पुलिस थाने में एक विवाहिता की शिकायत पर उसके पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। यह घटना भिवंडी के गायत्रीनगर इलाके की है। पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसके ससुराल वाले इस बात से नाराज थे कि मायके वालों ने दहेज में पर्याप्त धनराशि नहीं दी। उन्होंने अतिरिक्त पांच लाख रुपये की मांग रखी। जब विवाहिता ने इस मांग को ठुकरा दिया, तो उसे लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि 29 जून 2024 से 16 सितंबर 2025 तक पति और ससुराल वाले उसे गालियां देते रहे, मारपीट करते रहे और तलाक देने के साथ-साथ जान से मारने की धमकियां भी दीं। आखिरकार उसे घर से निकाल दिया गया। इस उत्पीड़न से परेशान होकर विवाहिता ने 16 सितंबर को शांतिनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पति जाकिर जलालुद्दीन अंसारी (21), सास जुलेखा खातून जलालुद्दीन अंसारी (43) और ससुर जलालुद्दीन अंसारी (50) के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

सूरत स्टेशन पर 10 अक्टूबर, 2025 से कुछ ट्रेनों के ठहराव बहाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी त्योहारों जैसे दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के मद्देनजर, कई त्योहार स्पेशल ट्रेनें उधना स्टेशन से ओरिजिनेट/टर्मिनेट होंगी, जिससे इस स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि की आशंका के मद्देनजर भीड़ नियंत्रण के उपाय के रूप में सूरत स्टेशन पर अस्थायी रूप से बंद की गई कुछ ट्रेनों का ठहराव 10 अक्टूबर, 2025 से अगले आदेश तक पुनः बहाल किया जा रहा है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्टेशन पुनर्विकास कार्य के मद्देनजर सूरत स्टेशन पर अस्थायी रूप से कुछ हटाई गई अप एवं डाउन ट्रेनों के ठहराव को 10 अक्टूबर, 2025 से बहाल किया जा रहा है। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः सूरत स्टेशन पर निम्न अप ट्रेनों का ठहराव 1.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12655 अहमदाबाद- पुरट्टिच तलैवर डॉ. एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल नवजीवन एक्सप्रेस 2.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12833 अहमदाबाद-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 3.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19483 अहमदाबाद-सहरसा एक्सप्रेस 4.16 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19435 अहमदाबाद-आसनसोल एक्सप्रेस 5.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20824 अजमेर-पुरी सुपरफास्ट 6.15 अक्टूबर 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20820 ओखा-पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस 7.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22939 ओखा-बिलासपुर एक्सप्रेस 8.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12993 गांधीधाम-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस 9.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20804 गांधीधाम-विशाखापत्तनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 0.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22664 जोधपुर-तांबरम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 11.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22738 हिसार-सिकंदराबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस 12.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22724 श्री गंगानगर-हजूर साहिब नांदेड़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस 13.16 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22967 अहमदाबाद-प्रयागराज सुपरफास्ट एक्सप्रेस 14.15 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12905 पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस 15.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22905 ओखा-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस 16. 10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा ारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12949 पोरबंदर-सांतरागाछी कविगुरु एक्सप्रेस 17.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 16734 ओखा-रामेश्वरम एक्सप्रेस 18.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22138 अहमदाबाद-नागपुर प्रेरणा एक्सप्रेस 19.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20903 एकता नगर-वाराणसी महामना एक्सप्रेस 20.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20905 एकता नगर-रीवा महामना एक्सप्रेस 21.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22937 राजकोट-रीवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 22.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12844 अहमदाबाद-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस 23.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20862 अहमदाबाद-पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस 24.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22689 अहमदाबाद-यशवंतपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 25.15 अक्टूबर 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22973 गांधीधाम-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस सूरत स्टेशन पर निम्न डाउन ट्रेनों का ठहराव 1.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12906 शालीमार-पोरबंदर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 2.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22906 शालीमार-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 3.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12843 पुरी-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस 4.08 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20861 पुरी-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस 5.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12994 पुरी-गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 6.12 अक्टूबर 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12950 सांतरागाछी-पोरबंदर कविगुरु सुपरफास्ट एक्सप्रेस 7.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20904 वाराणसी-एकता नगर महामना एक्सप्रेस 8.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20823 पुरी-अजमेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 9.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22940 बिलासपुर-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 10.08 अक्टूबर, 2025को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12834 हावड़ा-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस 11.08 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19484 सहरसा-अहमदाबाद एक्सप्रेस 12.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19436 आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस 13.09 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12656 पुरट्टिच तलैवर डॉ. एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल-अहमदाबाद नवजीवन एक्सप्रेस 14.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22938 रीवा-राजकोट सुपरफास्ट एक्सप्रेस 15.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20906 रीवा-एकता नगर महामना एक्सप्रेस 16.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22968 प्रयागराज-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस 17.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22663 तांबरम-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 18.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22737 सिकंदराबाद-हिसार सुपरफास्ट एक्सप्रेस 19.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22137 नागपुर-अहमदाबाद प्रेरणा एक्सप्रेस 20.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20819 पुरी-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 21.9 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20803 विशाखापत्तनम-गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 22.16 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22723 हजूर साहिब नांदेड़-श्री गंगानगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 23.11 अक्टूबर, 2025को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22974 पुरी-गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 24.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 16733 रामेश्वरम-ओखा एक्सप्रेस 25.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22690 यशवंतपुर-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस उधना स्टेशन के बजाय सूरत स्टेशन से ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें 1.14 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22828 सूरत-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस 2.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09065 सूरत-छपरा क्लोन स्पेशल 3.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20925 सूरत-अमरावती सुपरफास्ट एक्सप्रेस 4.13 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 13426 सूरत-मालदा टाउन एक्सप्रेस 5.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09117 उधना-सूबेदारगंज स्पेशल 6.28 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 05018 उधना - मऊ फेस्टिवल स्पेशल उधना स्टेशन के बजाय सूरत स्टेशन पर टरमिनेट होने वाली ट्रेनें 1.12 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22827 पुरी-सूरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस 2.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 13425 मालदा टाउन-सूरत साप्ताहिक एक्सप्रेस 3.15 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09066 छपरा-सूरत क्लोन स्पेशल 4.10 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20926 अमरावती-सूरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस 5.11 अक्टूबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09118 सूबेदारगंज-उधना स्पेशल 6.27 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 05017 मऊ-उधना फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

शासन अभियान में काम कर रहे पालिका के दो कर्मचारी को किया गया कार्यमुक्त

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर महानगर पालिका आयुक्त अनमोल सागर ने 'दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय नगरीय आजीविका मिशन' के अंतर्गत कार्यरत दो कर्मचारियों की कार्यमुक्ति का आदेश जारी किया है। आयुक्त सागर ने इस संबंध में नगर परिषद प्रशासन संचालनालय, राष्ट्रीय नगरीय आजीविका मिशन के सह-आयुक्त को पत्र भेजकर कैलास राजधर पाटील और संजय ठाकरे को पद से हटाने की संस्तुति की है।जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार प्रायोजित इस योजना के तहत शहरी गरीब लाभार्थियों को रोजगार और आजीविका आधारित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कैलास पाटील और संजय ठाकरे की नियुक्ति शहर अभियान प्रबंधक (सिटी मिशन मैनेजर) के रूप में मानधन आधार पर की गई थी। दोनों की नियुक्ति नगर परिषद प्रशासन संचालनालय के माध्यम से भिवंडी-निजामपुर महानगर पालिका में हुई थी। लेकिन, आयुक्त के अनुसार दोनों कर्मचारियों का कार्य संतोषजनक नहीं रहा। उन्हें बार-बार सौंपे गए कार्य पूरे नहीं किए गए और कई बार वे बिना सूचना अनुपस्थित भी रहे। विशेष रूप से, पिछले कई वर्षों से उनके जिम्मे सौंपा गया फेरीवाला सर्वेक्षण अधूरा पड़ा है। इसके अलावा बायोमेट्रिक फेरीवाला सर्वे, गैर-फेरीवाला नीति का कार्यान्वयन, बेघर निवारा केंद्रों के भुगतान और अन्य शासन योजनाओं से जुड़े कार्यों में भी उन्होंने टालमटोल की। इन आरोपों के आधार पर आयुक्त ने दोनों कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया है। साथ ही पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि उनकी जगह शीघ्र ही दो नए अभियान प्रबंधकों की नियुक्ति भिवंडी-निजामपुर महानगर पालिका में की जाएगी।

पाकिस्तान एशिया कप 2025 के बहिष्कार से क्यों पलटा, भारी नुकसान से बचने के लिए बदले सुर

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान ने एशिया कप 2025 के बहिष्कार की धमकी वापिस ले ली है। लेकिन सवाल यह खड़ा होता है कि पाकिस्तान ने एशिया कप के बहिष्कार से अपने कदम पीछे क्यों खिंचे हैं और इसका एक बड़ा कारण भारी राजस्व नुकसान है। अगर पाकिस्तान एशिया कप का बहिष्कार करता तो उसे 12 से 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो सकता था।

पांच टेस्ट खेलने वाले देश रत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान 15-15 प्रतिशत कमाते हैं, जो एशियाई क्रिकेट परिषद के वार्षिक राजस्व का 75 प्रतिशत है। शेष 25 प्रतिशत सहयोगी देशों द्वारा साझा किया जाता है। राजस्व में प्रसारण सौदों (रैखिक और डिजिटल), विभिन्न प्रायोजन, टिकटिंग आदि से होने वाली हिस्सेदारी शामिल है। अकेले इस एशिया कप से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की अनुमानित कमाई 12 से 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच है, और इस टूर्नामेंट से हटने का कोई भी फैसला विनाशकारी साबित हो सकता है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया ने एसीसी के साथ 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर में 8 साल (2024-2031) का करार किया है। इस करार में महिला एशिया कप और अंडर-19 पुरुष एशिया कप के प्रसारण अधिकार भी शामिल हैं।

पीसीबी के घटनाक्रम से वाकिफ एक सूत्र के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, 'क्या नकवी पाकिस्तान को इस वित्तीय वर्ष के अनुमानित 227 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बजट में से लगभग 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाने का जोखिम उठा सकते हैं? यह पीसीबी के वार्षिक राजस्व का लगभग 7 प्रतिशत होगा। यह उनके लिए बर्फ पर चलने जैसा होगा। लेकिन फिर पाकिस्तान के एक महत्वपूर्ण मंत्री होने के नाते, उन्हें अपने देशवासियों के सामने अपना सम्मान भी बनाए रखना होगा।'

पाकिस्तान मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को लेकर उसका ऐतराज बरकरार है और पीसीबी ने टीम के बाकी मैचों में जिम्बाब्वे के इस मैच रैफरी की जगह रिची रिचर्डसन को जिम्मेदारी देने की मांग की है। पाइक्रॉफ्ट को पाकिस्तान और यूएई के बीच आज शाम को होने वाले मैच में भी रैफरिंग करनी है। विवाद की शुरूआत तब हुई जब कप्तान सूर्यकुमार यादव समेत भारतीय टीम ने रविवार को मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया।

इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा मैच के बाद पुरस्कार समारोह में नहीं आए। पीसीबी ने इस विवाद के लिए पाइक्रॉफ्ट को दोषी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने सलमान से कहा कि सूर्यकुमार से हाथ नहीं मिलाए और दोनों कप्तानों को टीम शीट का आदान प्रदान भी नहीं करने दिया।

सूर्यकुमार ने कहा था कि पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाने का फैसला पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों और आपरेशन सिंदूर को अंजाम देने वाली भारतीय सेना के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए लिया गया था। पाकिस्तान ने भारतीय खिलाड़ियों पर खेल भावना का पालन नहीं करने और पाइक्रॉफ्ट पर भेदभाव का आरोप लगाया। इसके बाद टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी भी दी और पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया।

नीरज ने पहले ही थ्रो से विश्व चैम्पियनशिप फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

तोक्यो **(एजेंसी)**। गत चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने बुधवार को पहले ही थ्रो में स्वतः क्वालीफिकेशन का 84 . 50 मीटर का आंकड़ा पार करके विश्व चैम्पियनशिप पुरुष भालाफेंक स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्ष के नीरज ने क्वालीफिकेशन दौर में ग्रुप ए में पहला ही थ्रो 84.85 मीटर का फेंका। चोपड़ा सबसे पहले थ्रो फेंकने के लिए उतरे थे और फाइनल में जगह बनाने के साथ ही रवाना भी हो गए। स्वतः क्वालीफिकेशन का 84.50 मीटर का आंकड़ा छूने वाले या सर्वश्रेष्ठ 12 खिलाड़ी बृहस्पतिवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाएंगे। जर्मनी के जूलियर वेबर ने भी 87.21 मीटर के थ्रो के साथ क्वालीफाई कर लिया। ग्रुप ए में शामिल 19 खिलाड़ियों में केशोर्न वालकॉट, याकूब वालेश और भारत के सचिन यादव भी हैं। ग्रुप बी में पाकिस्तान के ओलंपिक चैम्पियन अरशद नदीम, एंडरसन पीटर्स, जूलियस येगो, रोहित यादव , यशवीर सिंह भी हैं। बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैम्पियनशिप में नीरज ने 88.17 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण जीता था जबकि नदीम दूसरे और वालेश तीसरे स्थान पर रहे थे।

वनडे में संन्यास से वापसी के बाद ग्लेन मैक्सवेल ने खेली धमाकेदार पारी, ठोका शतक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वनडे विश्व कप विजेता ग्लेन मैक्सवेल ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत से हार के बाद फिटनेस समस्याओं के कारण वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। विक्टोरिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप में वापसी करते हुए उन्होंने मार्नस लाबुशेन की क्वींसलैंड टीम के खिलाफ असफल रन चेज में 82 गेंदों में 107 रनों की शानदार पारी खेलकर ब्रिस्बेन के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दिलचस्प बात यह है कि विक्टोरिया के लिए अपने 15 साल के करियर में मैक्सवेल का लिस्ट ए (वन-डे) प्रारूप में यह पहला शतक है। 36 वर्षीय मैक्सवेल 311 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उस समय बल्लेबाजी करने आए जब विक्टोरिया का स्कोर 24 ओवर में 104/5 था। माइकल नेसर ने नई गेंद से खूब धमाल मचाया, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस हैरिस को शून्य पर और हैरी डिक्सन को दहाई के स्कोर पर आउट किया।

थॉमस रोजर्स ने 23 रन बनाए जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब 73 गेंदों पर 55 रन बनाकर आउट हुए।

34वें ओवर में विक्टोरिया का स्कोर 164/7 था। मैक्सवेल ने अगले ओवर में दो छक्के लगाकर 37 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने आसानी से बाउंड्री लगाई। जैसे-जैसे स्लॉग ओवर नजदीक आए, उन्होंने तेजी पकड़ी। 43वें ओवर में उन्होंने गुरिंदर संधू पर दो छक्के लगाकर 73 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। 46वें ओवर में मैक्सवेल का धैर्य भी जवाब दे गया क्योंकि आवश्यक रन रेट उनके हाथ से निकल गया। टॉम स्ट्रैकर ने उनका कैच लिया।

मैक्सवेल मौजूदा डीन जोन्स ट्रॉफी 2025 में विक्टोरिया के लिए एक और मैच खेलने के लिए उपलब्ध हैं। विक्टोरिया का अगला मैच 19 सितंबर को तस्मानिया के खिलाफ है।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया : एन जगदीशन का नाबाद अर्धशतक, भारत ए ने अपनी स्थिति संभाली

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नारायण जगदीशन के अर्धशतक की बदौलत भारत ए ने पहले अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया ए के 532/6 पर पारी घोषित करने के जवाब में एक विकेट पर 116 रन बनाए। बारिश के कारण जल्दी स्टंपिंग हो गई। जगदीसन 95 गेंदों में 5 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 50 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि बी साई सुदर्शन दूसरे छोर पर 20 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ए पहली पारी में 416 रनों से पीछे है।

भारत ए के अभिमन्यु ईश्वरन के आउट होने के बाद जगदीशन के साथ 88 रनों की बड़ी ओपनिंग साझेदारी के बाद दोनों ने पारी को संभाला। ईश्वरन ने 58 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रनों की तेज पारी खेली और 22वें ओवर में लियाम स्कॉट की गेंद पर बोल्ड हो गए। दूसरे दिन बारिश के कारण जल्दी स्टंप्स होने के कारण केवल 55 ओवरों का ही खेल हो सका।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ए के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश फिलिप ने भारतीय गेंदबाजों पर और दबाव बनाते हुए तेज शतक जड़ा और अपनी टीम का स्कोर 500 के पार पहुंचाया। फिलिप ने 4 छक्कों और 18 चौकों की मदद से केवल 87 गेंदों पर नाबाद 123 रन बनाए जबकि जेवियर बार्टलेट ने 24 गेंदों पर 5 चौकों और दो छक्कों की मदद से 39 रन बनाए, जब ऑस्ट्रेलिया ए ने पारी घोषित की।

अमेरिकी शुल्क से घरेलू इस्पात उद्योग पर सीधा असर नहीं : इस्पात सचिव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी शुल्क का घरेलू इस्पात उद्योग पर सीधा असर नहीं पड़ेगा क्योंकि भारत में इस मिश्र धातु की खपत बढ़ रही है। इसके अलावा, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने राष्ट्रीय राजधानी में 'एफटी लाइव एनर्जी ट्रांजिशन समिट इंडिया' के एक सत्र में कहा कि कुल 15.2 करोड़ टन उत्पादन में से अमेरिका को इस्पात का निर्यात लगभग एक लाख टन है।

पौंड्रिक ने अमेरिकी शुल्क से संबंधित एक सवाल के जवाब में कहा, ''इसलिए, अगर हम इस्पात पर सीधे प्रभाव की बात करें, तो यह ज्यादा नहीं है क्योंकि व्यावहारिक रूप से हम अमेरिका को अधिक इस्पात का निर्यात नहीं करते हैं।'' पिछले साल, भारत का अमेरिका को कुल इस्पात निर्यात लगभग 1, 00, 000 टन था। इसी तरह, भारत अमेरिका से ज्यादा इस्पात का आयात नहीं करता है।'' उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच इस्पात का व्यापार सीधा नहीं है। हालांकि, पौंड्रिक ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार किए जाने वाले इस्पात उत्पादों के कारण कुछ अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ सकता है। पिछले वर्ष इस्पात का घरेलू उत्पादन लगभग 15.2 करोड़ टन था, और भारत दुनिया का एकमात्र देश है जो इस्पात उत्पादन में बहुत तेज वृद्धि दर्ज कर रहा है। वास्तव में, पिछले तीन वर्षों में, इस क्षेत्र में सालाना लगभग 12 प्रतिशत की औसत दर से वृद्धि हुई है। यह मजबूत घरेलू वृद्धि अकेले ही भारतीय इस्पात उत्पादकों को अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन प्रदान करती है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले वर्ष देश का इस्पात निर्यात लगभग 45 लाख टन था, जो कुल घरेलू उत्पादन का केवल लगभग तीन प्रतिशत है। इसलिए, निर्यात इस्पात उत्पादन में मूल्यवर्धन तो करता है, लेकिन घरेलू उत्पादकों के लिए यह कोई विशेष रूप से महत्वपूर्ण कारक नहीं हैं

पश्चिम रेलवे

हाइड्रोलिक ट्रांसमिशन की पूर्ण ओवरहालिंग

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, ईएमयू वर्कशॉप, महालक्ष्मी, मुंबई 400013, ई-निविदा सूचना संख्याः EL90/MX/2025-26/10 दिनांक 13.09.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** ईएमयू वर्कशॉप, महालक्ष्मी में कार्य के दायरे के अनुसार मार्क-IV, 4-व्हीलर टावर वैगन में लगे हाइड्रोलिक ट्रांसमिशन (निर्माताः हिंदुस्तान मोटर्स AVTEC CRT-5633) की पूर्ण ओवरहालिंग। **कार्य की अनुमानित लागतः** 32,59,203.80/- **बयाना राशिः** 65,200/- **निविदा जमा करने और खोलने की तिथि और समयः** निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 07.10.2025 (इलेक्ट्रॉनिक रूप से) 12:00 बजे तक है। विवरण के लिए कृपया www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0605

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

फेड की दर कटौती की उम्मीद ने बाजार को दी मजबूती

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजार में 17 सितंबर को लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज हुई। भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में नरमी, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और रुपए की मजबूती ने निवेशकों के उत्साह को बढ़ाया।

सेंसेक्स 313 अंक चढ़कर 82, 693 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 91 अंक की बढ़त के साथ 25, 330 के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान पीएसयू बैंक, आईटी, रियल्टी और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बढ़त देखी गई, जबकि एफएमसीजी, मेटल और फार्मा शेयरों में गिरावट रही।

पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हालिया सकारात्मक बातचीत ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। दोनों नेताओं ने व्यापार समझौते को जल्द आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है।

निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी फेड 0.25इ की दर कटौती कर सकता है। इससे वैश्विक बाजारों में नकदी प्रवाह बढ़ेगा और भारतीय आईटी कंपनियों को लाभ होगा।

रुपया तीन हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंचकर 87.81 पर कारोबार कर रहा है। कमजोर डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में गिरावट से भारतीय बाजार को मजबूती मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत-अमेरिका तनाव कम होने और फेड के फैसलों से आने वाले दिनों में शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान जारी रह सकता है।

जब 44 साल छोटी एक्ट्रेस ने अमिताभ बच्चन संग निभाया लीड किरदार, ब्लॉकबस्टर मूवी ने जीता नेशनल

बॉलीवुड के शहंशाह यानी अमिताभ बच्चन संग हर एक कलाकार काम करना चाहता है. उम्र में उनसे 44 साल छोटी इस एक्ट्रेस ने उनके साथ लीड रोल निभाकर कमाल कर दिया था. जी आज हम आपको 9 साल पहले आई एक ऐसी फिल्म के बारे में बता रहे हैं, जो एक सामाजिक मुद्दों पर आधारित थी. चुपके से सिनेमाघरों में आई इस फिल्म ने अपनी कमाई से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था. फिल्म में अमिताभ बच्चन ने मुख्य किरदार निभाया था. वहीं उनसे 44 साल छोटी इस एक्ट्रेस ने भी कमाल कर दिया था.

जी हम बात कर रहे हैं 16 सितंबर 2016 को रिलीज हुई फिल्म 'पिंक' की, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अपना जबरदस्त कमाई की थी. पिंक एक लीगल-सोशल थ्रिलर फिल्म है, जिसे अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने डायरेक्ट किया

था. इसमें अमिताभ बच्चन के साथ ही तापसी पन्नू, कीर्ति कुल्हारी, एंड्रिया तारियांग, अंगद बेदी, तुषार पांडे, पीयूष मिश्रा और धृतिमान चटर्जी लीड रोल में थे. फिल्म की दमदार कहानी और स्टारकास्ट ने हर किसी का दिल जीत लिया.

फिल्म की कहानी 3 लड़कियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो साथ में एक फ्लैट में रहती हैं. लड़कियों की मुलाकात कुछ लड़कों से होती है, जो बाद में उनका गलत फायदा उठाते है. इसी बीच एक हादसा होता है. इसके बाद फिल्म की कहानी कोर्ट में पहुंच जाती है. लड़कियां कोर्ट में खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए अमिताभ बच्चन से मदद लेती हैं, जो एक वकील होते हैं. सामाजिक मुद्दे पर आधारित ये फिल्म महिलाओं की सुरक्षा की बात करती है.

अपने जबरदस्त कंटेंट से फिल्म की खूब सराहना हुई. 64वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में फिल्म पिंक ने अदर सोशल इश्यू बेस्ट फिल्म कैटेगिरी में अवॉर्ड जीता था. बजट और कमाई की बात करें तो 32 करोड़ में बनीं इस फिल्म ने 157.32 करोड़ का कलेक्शन किया था.

पश्चिम रेलवे

रखरखाव कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, आमंत्रित करते हैं क्रमांकः 1. ई-निविदा सूचना संख्याः BCT-25-26-226 दिनांक 15.09.2025.**कार्य और स्थानः उकाई सोनगढ़-जलगाँव खंड-** एसएसई (रेलवे) अमलनेर के अंतर्गत अप/डाउन लाइन के लिए 01 वर्ष की अवधि के लिए मार्ग का रखरखाव, जिसमें मानसून ऋतु (2025-26) के दौरान विभिन्न बाएँ हाथ के मार्गों पर पम्पिंग व्यवस्था शामिल है (कुल 48.192 किमी)। **कार्य की अनुमानित लागतः** 2,83,74,703.39/- **ईएमडीः** 2,91,900/-. क्रमांकः 2. **ई-निविदा सूचना संख्याः** बीसीटी-25-26-227 दिनांक 15.09.2025। **कार्य एवं स्थानः उकाई सोनगढ़-जलगाँव खंड -** एसएसई (पी-वे) धरणगाँव के अंतर्गत अप/डाउन लाइन के लिए 01 वर्ष की अवधि के लिए पी-वे का रखरखाव, जिसमें मानसून ऋतु (2025-26) के दौरान विभिन्न एलएचएस पर पंपिंग व्यवस्था शामिल है। (कुल 40.867 किमी)। **कार्य की अनुमानित लागतः** 2,53,95,290.47। **ईएमडीः** रु.2,77,000/-। **दोनों निविदाएँ जमा करने की तिथि एवं समयः** 10.10.2025, 15:00 बजे तक। दोनों निविदाएँ खोलने की तिथि एवं समयः 10.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0603

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

यार्ड का सुधार एवं उन्नयन

वरिष्ठ डीईएन (दक्षिण) मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008, आमंत्रित करता है- **क्रमांकः** 1. **ई-निविदा सूचना संख्याः** बीसीटी/25-26/229 दिनांक 15.09.2025. **कार्य एवं स्थानः चर्चगेट-विरार खंडः** एडीईएन (टी/एन) बोरीवली क्षेत्राधिकार के अंतर्गत गोरेगांव, कांदिवली, वसई रोड, विरार में यार्ड का सुधार एवं उन्नयन। **कार्य की अनुमानित लागतः** 1,15,70,632.06/- **बयाना राशिः** 2,07,900/-.**क्रमांकः** 2. **ई-निविदा सूचना संख्याः** बीसीटी/25-26/230 दिनांक 09.09.2025. **कार्य एवं स्थानः चर्चगेट-विरार खंडः** एडीईएन (टी/एस) लोअर परेल खंड के अंतर्गत चर्चगेट, अंधेरी, माहिम-बांद्रा और दादर में यार्ड का सुधार एवं उन्नयन। **कार्य की अनुमानित लागतः** 1,52,35,108.10/- **बयाना राशिः** 2,26,200/-। **दोनों निविदाएँ जमा करने की तिथि एवं समयः** 10.10.2025, 15:00 बजे तक। **दोनों निविदाएँ खोलने की तिथि एवं समयः** 10.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0607

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

नगमा मिराजकर ने तान्या मित्तल को बताया रनर अप, कुनिका सदानंद-गौरव खन्ना के लिए कही बड़ी बात

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नगमा मिराजकर ने अपने बॉयफ्रेंड अवेज दरबार के साथ 'बिग बॉस 19' में एंट्री ली थी। हालांकि, वह सलमान खान के रियलिटी शो में कुछ खास गेम नहीं खेल पाई और तीसरे हफ्ते में नॉमिनेट हो गईं। अब घर से बाहर आने के बाद उन्होंने हमारे सहयोगी स्क्रीन को एक्सक्लूसिव इंटरव्यू दिया। इस दौरान उन्होंने अपने सफर के बारे में बात की है। अमाल मलिक ने जो उन्हें और अवेज को लेकर कहा इसके बारे में भी बात की। इसके अलावा उन्होंने तान्या मित्तल, कुनिका और गौरव समेत सभी लोगों के बारे में भी काफी सारी चीजों पर रिएक्ट किया।

नगमा मिराजकर ने कहा, 'यह 22 दिन का था, लेकिन ऐसा लगता है जैसे मैं उस घर में 1-2 महीने से थी, यह बहुत मजेदार था। मेरी सेहत ने मेरा साथ नहीं दिया, लेकिन कोई पछतावा नहीं है। पहला हफ्ता एडजस्ट करने में बीत गया और जब सलमान सर ने कहा कि हम पहले वीकेंड का वार में नहीं दिखे, तो मैं उनकी प्रतिक्रिया समझ नहीं पाई। मैं सभी बातचीत और झगड़ों में सक्रिय रूप से शामिल थी, लेकिन एपिसोड में ऐसा नहीं दिखा।'

इसके आगे उन्होंने कहा, 'जो लोग मुझसे ज्यादा शोर मचाते थे, उनके कट का इस्तेमाल किया जाता था और फिर मैं बीमार पड़ गई। दवाओं के कारण, मैं

पूरे दिन नींद में रहती थी। मैं भारी दवा ले रही थी, इसलिए मुझे लगता है कि इससे मेरे खेल में काफी बाधा आई। हालांकि, मैंने इस अनुभव से बहुत कुछ सीखा। मैं शो में कोई और बनने की कोशिश नहीं कर रही थी, इसलिए मैं इस बात से खुश हूं।'

पहले नॉमिनेशन के ठीक बाद अमाल मलिक ने अवेज दरबार और नगमा मिराजकर पर टिप्पणी की थी। अमाल ने कहा था कि वे उनके साथ इसलिए अच्छा व्यवहार कर रहे हैं, क्योंकि वह उन्हें शो के बाहर खूब काम दिलाते हैं। इस पर नगमा ने कहा, 'हमारे बारे में कुछ ऐसी टिप्पणियां की जिनकी जरूरत नहीं थी। मुझे लगा कि शो में हम उनके साथ वाकई अच्छे थे, लेकिन फिर भी उन्होंने इस पर टिप्पणी की कि वह हमें पहले ही हफ्ते में कैसे काम दिला देते हैं।' इसके आगे उन्होंने कहा, 'वे टिप्पणियां दिल तोड़ने वाली थीं और मुझे नहीं पता कि उस समय उनके दिमाग में क्या चल रहा था। उन्होंने कहा कि हम उनके साथ इसलिए अच्छा व्यवहार कर रहे हैं क्योंकि वह हमें बाहर काम देते हैं। कोई भी ऐसे ही काम नहीं देता; वे काम के बदले में कुछ देते हैं। अमाल से ऐसी उम्मीद नहीं थी।' इसके आगे उन्होंने घरवालों के बारे में बात करते हुए कहा, 'तान्या बहुत मनोरंजक हैं। वह अपनी मायावी दुनिया में जी रही हैं। हमें उनसे बात करना बहुत अच्छा लगता था। हम जानबूझकर उनसे बातें करते और उनकी कहानियां सुनते थे। उनकी बातचीत में कोई बुराई नहीं है।

यूपी के छोरे संग शादी की खबर पर विदेशी एक्ट्रेस नतालिया जानोस्जेक ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'शादी कब?

'बिग बॉस 19' इस हफ्ते डबल एलिमिनेशन से और भी दिलचस्प हो गया. शो से विदेशी एक्ट्रेस नतालिया जानोस्जेक और कंटेंट क्रिएटर नगमा मिराजकर बाहर हो गईं, लेकिन घर से बाहर निकलने के बाद भी नतालिया चर्चाओं में बनी हुई हैं.

दरअसल, बिग बॉस हाउस में नतालिया और यूपी के नोएडा के रहने वाले मृदुल की दोस्ती ने फैंस का ध्यान खींचा था. शो में दोनों की क्यूट बॉन्डिंग देखकर दर्शक इन्हें एक प्यारी सी जोड़ी मानने लगे. यहां तक कि मृदुल ने नतालिया से अपने दिल की बात भी कह डाली थी.

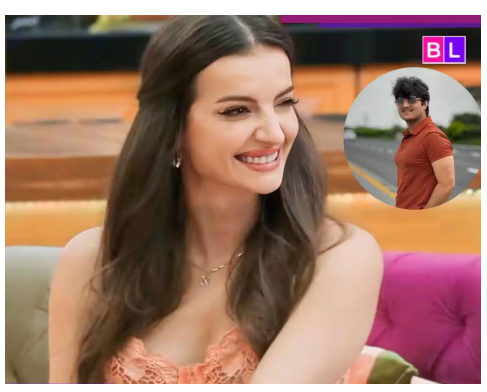

हालांकि, नतालिया साफ कहती नजर आईं, कि वो मृदुल को सिर्फ अपना दोस्त मानती हैं, लेकिन जब शो से बाहर आने के बाद उनसे शादी को लेकर सवाल पूछा गया, तो उनका रिएक्शन काफी मजेदार देखा गया.

एक फैन ने नतालिया से सवाल किया कि 'आप दोनों शादी कर लें, साथ में आप दोनों काफी क्यूट लगते हैं.' इस पर नतालिया हंसते हुए बोलीं- 'ओह माई गॉड... कब है शादी?'

अपने रिश्ते पर बात करते हुए, नतालिया ने बताया- 'शुरुआत में मृदुल ने मुझसे कहा था, कि मैं नोएडा का लड़का हूं, और मेरी मां मेरे लिए दुल्हन ढूंढ रही हैं. उस वक्त मुझे लगा, कि वो मजाक कर रहे हैं, लेकिन फिर उन्होंने कहा, कि मैं उनसे जैसे बात करती हूं, वैसे किसी और लड़के से बात नहीं कर सकती. यह सुनकर मुझे थोड़ा शॉक्ड हुआ, लेकिन इन सब वजह से हमारी दोस्ती में कोई बगदलाव नहीं आया.'

बता दें, मृदुल के साथ शो में बसीरअली ने भी नतालिया से अपने दिल की बात बोली थी, इस वजह से बिग बॉस के घर में एक एक लव ट्रायंगल बन गया था, जिसकी चर्चा घर के बाहर सोशल मीडिया पर खूब हुई. हालांकि, इनसब पर नतालिया कुछ भी कहने से बचती दिखाई दीं. कुल मिलाकर, यह घर के बाहर फैंस को मृदुल और नतालिया की जोड़ी खूब पसंद आई, और फैंस उनकी शादी की प्लानिंग करने में जुट गए.

एआई सर्वर, ड्रोन, मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाले 2 एनएम के सबसे उन्नत चिप्स यहां डिजाइन किए जाएंगेः श्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु में एआरएम के नए कार्यालय के शुभारंभ पर कहा

वर्तमान भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का मूल्य 11.5 लाख करोड़ रुपए हैः केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज बेंगलुरु में सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़ी कंपनी, एआरएम के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एआई सर्वर, ड्रोन और मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाले 2 नैनोमीटर के सबसे उन्नत चिप्स यहीं डिज़ाइन किए जाएंगे।

अश्विनी वैष्णव ने कार्यालय के उद्घाटन के बाद कहा कि एआरएम की नई बेंगलुरु इकाई मोबाइल फोन सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के लिए 2 एनएम चिप्स सहित अन्य चिप्स डिजाइन करेगी। उन्होंने इसे भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य सेमीकंडक्टर के साथ-साथ उनके लिए आवश्यक उपकरणों और सामग्रियों का डिजाइन और निर्माण करना है। यह एक बहुत लंबी और दूरदर्शी प्रक्रिया है

और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पर स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अगले 20 वर्षों के विजन के साथ, हमारे युवाओं और प्रतिभाशाली इंजीनियरों को दुनिया में सर्वोत्तम अवसर प्राप्त होंगे।

अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में प्रगति से सेमीकंडक्टर चिप्स की मांग दोगुनी हो रही है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में छह गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में यह 11.5 लाख करोड़ रुपए का उद्योग है। निर्यात में आठ गुना वृद्धि हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के लिए प्रमुख निर्यात उत्पाद बन रहे हैं।

मोबाइल फोन और लैपटॉप की असेंबली से शुरू हुआ यह सफर, अब उनके मॉडल, कंपोनेंट्स और तैयार सामग्रियों के उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस सफ़र में बहुत व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। सेमीकंडक्टर सेक्टर एक ट्रिलियन डॉलर के उद्योग के रूप में विकसित हो रहा है और इसमें प्रतिभाओं की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यह एक उपयुक्त अवसर है। इसके लिए 278 संस्थान और विश्वविद्यालय काम कर रहे हैं और उनके छात्र सेमीकंडक्टर चिप्स के डिजाइन और इनोवेशन में लगे हुए हैं। वर्तमान में 25 संस्थानों के छात्रों के डिज़ाइन की गई 28 चिप्स तैयार हो चुकी हैं। हमने भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के पहले संस्करण को व्यावहारिक रूप से पूरा कर लिया है और अब दूसरे संस्करण की ओर बढ़ रहे हैं।

इसमें सेमीकंडक्टर चिप्स के लिए आवश्यक उपकरणों और सामग्रियों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इससे पहले, मंत्री महोदय ने सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरणों में प्रयुक्त उच्च परिशुद्धता वाले घटकों के निर्माण पर चर्चा की। कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड (सीयूएमआई) ने सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए उपकरणों के निर्माण में प्रयुक्त कुछ सामग्रियों का प्रदर्शन किया।

आयुर्वेद दिवस के अवसर पर 148 बच्चों को हुआ स्वर्णप्राशन - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। दशम आयुर्वेद दिवस समारोह के अन्तर्गत सुदर्शन हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर त्रिवेणीपुरम, झूँसी एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयुर्वेदीय निःशुल्क स्वर्णप्राशन कैम्प का आयोजन झंडु इमामी समूह के सौजन्य से दि. 17 सितम्बर को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर किया गया जिसमें नवजात शिशु से लेकर 16 वर्ष की आयु तक के 148 बच्चों को स्वर्ण विन्दु के रूप में स्वर्णप्राशन की खुराक दी गयी। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष, प्रो. (डॉ) जी एस तोमर ने स्वर्ण बिंदु के लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि स्वर्णप्राशन से बच्चों को दीर्घायु, ऊर्जा, मेधाशक्ति व रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ बाल्यावस्था में होने वाले सामान्य रोगों से भी लड़ने की शक्ति में भी वृद्धि होती है। आयुर्वेद में हज़ारों साल पहले कश्यप संहिता में इसका वर्णन मिलता है। स्वर्ण विन्दु पिलाने के आधा घण्टा पहले और आधा घण्टा बाद में कुछ भी खाने पीने को नहीं देना चाहिए।

स्वर्णप्राशन में प्रयुक्त औषधि विन्दु में 24 कैरट सोने से बनी स्वर्ण भस्म, शहद एवं औषधीय घृत निर्दिष्ट अनुपात में मिश्रित किया जाता है। जिसे मंत्रोच्चार के साथ चिकित्सक द्वारा दिया जाता है।

स्वर्णप्राशन पुष्य नक्षत्र के दिन और अधिक प्रभावी होता है। पुष्य का अर्थ पोषण करने वाला होता है।भारतीय ज्योतिष शास्त्र में इस नक्षत्र को संरक्षण, संवर्धन और समृद्धि का प्रतीक माना गया है।यह परम मंगलकारी एवं शुभ माना गया है।यह विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाव एवं इम्म्युनिटी बढ़ाने के लिये लाभदायक है।

सुदर्शन आयुर्वेद केन्द्र के निदेशक राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्वर्ण प्राशन की यह खुराक दो वर्षों से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्रे दिन बच्चों को निःशुल्क पिलाने की योजना है। इस पुनीत संस्कार हेतु वांछित औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु डॉ तोमर ने झंडु इमामी समूह का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन किया।

आत्मनिर्भर भारत का शंखनाद! नड्डा बोले- मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'स्वदेशी' और 'आत्मनिर्भर' भारत के विजन को आगे बढ़ा रहा है। जेपी नड्डा आज प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के जीवन और कार्यों पर आधारित पाँच दिवसीय प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। जनसमूह को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। आज ही प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में जो कुछ भी बनता है, उसमें भारत के लोगों का पसीना होता है और जिसमें भारत की मिट्टी की खुशबू होती है, वह स्वदेशी है; हमें इसके लिए काम करना होगा।' नड्डा ने यह भी कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाखों कार्यकर्ताओं ने खादी को अपनाया था। उन्होंने सभी से 2 अक्टूबर को गांधी जयंती से खादी उत्पादों का उपयोग करने का आग्रह किया। नड्डा ने कहा, 'मैं सभी से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने जीवन में खादी अवश्य पहनें, इससे बने वस्त्र अवश्य खरीदें और देश को सशक्त बनाने में योगदान दें। भारत को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें।' नड्डा ने यह भी कहा कि भारत के लड़ाकू विमान, लड़ाकू विमान और ब्रह्मोस, जिनकी विश्व स्तर पर चर्चा हो रही है,

किसी से उधार नहीं लिए गए हैं; बल्कि ये स्वदेशी हैं और भारत में ही बने हैं। .. इसके अलावा, जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर चलाए जा रहे कार्यक्रमों जैसे सेवा पखवाड़ा, 'एक पेड़ मां के नाम' और 'स्वच्छ भारत मिशन' के बारे में भी बात की। उन्होंने सभी से स्वच्छता अभियान में योगदान देने का आग्रह किया, कम से कम पाँच दिनों के लिए, अपने दैनिक जीवन का एक घंटा इसके लिए समर्पित करके और इससे जुड़कर। प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन का जश्न पूरे देश में मनाया जा रहा है, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विभिन्न कार्यक्रमों के साथ एक पखवाड़े तक चलने वाला सेवा पखवाड़ा आयोजित कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा नामक 15 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान का आयोजन किया गया है। इस अभियान के तहत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्र सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए देश भर में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान और प्रदर्शनियाँ आयोजित करने की योजना बना रही है।

17 सितंबर 1950 को जन्मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधिकारिक तौर पर 1971 में आरएसएस में शामिल हुए, लेकिन उनका संघ से परिचय बहुत कम उम्र में हो गया था। 1985 में, उन्हें भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का दायित्व सौंपा गया और वे पार्टी में तेजी से आगे बढ़ते गए तथा 1998 में इसके महासचिव बने। तीन साल बाद, 2001 में, वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने। उसके 13 साल बाद, 2014 में, नरेन्द्र मोदी ने पहली बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

खेल महाकुंभ और सेवा कार्यों के साथ मनाया गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन

नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर वड़नगर स्टेशन परिसर में लगाये गये 75 पेड़

75 दिव्यांगजनों ने मिलकर काटा 75 किलो का केक

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर उनके पैतृक गाँव वड़नगर में एक भव्य और प्रेरक आयोजन किया गया। पूरे कार्यक्रम को '75 थीम' के तहत आयोजित किया गया, जो पीएम मोदी के जीवन के 75 वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक बना। इस आयोजन का उद्देश्य खेल, सेवा, पर्यावरण संरक्षण और समाज के हर वर्ग को एक साथ जोड़ना था।

खेलों के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना प्रधानमंत्री मोदी की दीर्घकालीन सोच का हिस्सा है। उन्होंने हमेशा कहा है कि खेल शरीर को ही नहीं, मन और चरित्र को भी मजबूत बनाते हैं। वड़नगर, उनकी जन्मभूमि होने के कारण, इस दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुँचाने का केंद्र बना। समारोह में देशभर से आए 1000 से अधिक प्रतिभागियों को पीएम मोदी पर आधारित प्रेरक शॉर्ट फिल्म दिखाई गई। समारोह का मुख्य आकर्षण रहा 75

किलो का केक, जिसे 75 दिव्यांगजन ने मिलकर काटा। इसके साथ ही 75 गुब्बारे आकाश में छोड़कर उत्सव का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में 75 पेड़ माँ के नाम लगाए गए, जिससे मातृशक्ति को सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त 5 टीमों में विभाजित 75 खिलाड़ियों ने खेलों में भाग लिया, 75 पुरस्कार वितरित किए गए।

एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत वड़नगर रेलवे स्टेशन से शुरुआत कर 75 लोगों ने मिलकर वृक्षारोपण किया। प्रत्येक पेड़ मातृशक्ति के प्रति सम्मान और पर्यावरण की रक्षा का प्रतीक माना गया। यह पहल माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और समाज में सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का माध्यम बनी।

वड़नगर में आयोजित यह समारोह प्रधानमंत्री मोदी के विचारों–खेल, सेवा, पर्यावरण और समाज निर्माण–को धरातल पर उतारते हुए एक प्रेरक उदाहरण बन गया।

अरुणाचल में दिबांग शक्ति, सिक्किम में त्रिशक्ति, पूर्वी सीमाओं पर दिखा भारत का सामरिक आत्मविश्वास

पूर्वोत्तर भारत की दुर्गम घाटियों और हिमालयी ऊँचाइयों में भारतीय सेना ने हाल ही में दो महत्त्वपूर्ण सैन्य अभ्यास सम्पन्न किए। अरुणाचल प्रदेश के दिबांग घाटी में 'दिबांग शक्ति' अभ्यास और सिक्किम के दुर्गम मार्गों पर त्रिशक्ति कोर का 17,000 फीट की ऊँचाई तक युद्धक भार के साथ मार्च। यह दोनों ही अभ्यास केवल शारीरिक क्षमता की परीक्षा नहीं थे, बल्कि सामरिक दृष्टि से गहरे संदेश देने वाले थे।

दिबांग शक्ति' अभ्यास की बात करें तो आपको बता दें कि दिबांग घाटी के घनी जंगलों और कठिन पर्वतीय भूगोल में किया गया यह उच्च तीव्रता वाला अभ्यास भारतीय सेना की युद्ध की तैयारी को दर्शाता है। यहाँ सैनिकों ने जंगल युद्धकला, जीवित रहने की तकनीकें, और म्र्दर्ूीत्ति जैसी जटिल गतिविधियाँ प्रदर्शित कीं। इसने यह सिद्ध किया कि सेना केवल पारंपरिक लड़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि बदलते सुरक्षा परिदृश्यों– घुसपैठ, आतंकवाद, और विशेष अभियानों–से निपटने में भी सक्षम है। यह पूर्वी सीमांत पर भारत की सतत तत्परता का संकेत है, विशेषकर जब पड़ोसी क्षेत्रों में सैन्य गतिविधियाँ और भू-राजनीतिक तनाव लगातार बढ़ रहे हों।

वहीं त्रिशक्ति अभ्यास की बात करें तो आपको बता दें कि त्रिशक्ति कोर का छह दिन-रात का ऊँचाई-मार्च, सैनिकों के मानव-शक्ति आधारित युद्धक कौशल को सामने लाता है। प्रत्येक सैनिक का पूर्ण युद्धक भार के साथ दुर्गम हिमालयी मार्गों से गुजरना इस बात का स्मरण कराता है कि यद्यपि सेना आधुनिक तकनीक (ड्रोन, स्मार्ट लॉजिस्टिक्स, डिजिटल कम्युनिकेशन) का प्रयोग बढ़ा रही है, लेकिन युद्ध का अंतिम निर्णय मनुष्य की सहनशक्ति, धैर्य और टीमवर्क ही करते हैं। इस अभ्यास ने सैनिकों को यह भी परखा कि तकनीक विफल होने या अनुपलब्ध होने की स्थिति में वे किस हद तक आत्मनिर्भर रहकर मोर्चा सम्भाल सकते हैं।

इन दोनों अभ्यासों के सामरिक महत्व को देखें तो यह मिलकर एक समग्र सुरक्षा दृष्टिकोण की झलक देते हैं। इसके जरिये जंगल और उच्च पर्वतीय

दोनों प्रकार की परिस्थितियों में सैनिकों की तैयारी का आकलन किया गया। साथ ही जहाँ 'दिबांग शक्ति' ने अत्याधुनिक तकनीक और समन्वित युद्धकला पर बल दिया, वहीं त्रिशक्ति मार्च ने मानव सहनशक्ति और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी। इसके अलावा, चीन-भारत सीमा पर संवेदनशील क्षेत्रों (अरुणाचल और सिक्किम) में अभ्यास यह स्पष्ट संदेश देता है कि भारतीय सेना हर परिस्थिति के लिए तत्पर है। साथ ही, नागरिकों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों के लिए यह अभ्यास विश्वास और शक्ति का प्रदर्शन है। इसके अलावा, इन अभ्यासों का असली महत्व उन कूटनीतिक और सामरिक संदेशों में छिपा है जो वे पड़ोसी देशों, विशेषकर चीन और बांग्लादेश को देते हैं।

अरुणाचल प्रदेश पर चीन की दावेदारी और उसकी निरंतर उकसाने वाली गतिविधियाँ भारत की सुरक्षा चिंता का बड़ा कारण हैं। ऐसे में दिबांग घाटी की दुर्गम परिस्थितियों में युद्ध और जंगल युद्धकला का अभ्यास इस बात का सशक्त प्रदर्शन है कि भारतीय सेना किसी भी अप्रत्याशित खतरे का मुकाबला कर सकती है। कठिन मौसम और दुर्गम भूगोल में सैनिकों का आत्मविश्वास चीन के उस मनोवैज्ञानिक दबाव का सीधा जवाब है, जिससे वह भारत को अस्थिर करने का प्रयास करता है।

वहीं, सिक्किम में 17,000 फीट की ऊँचाई पर त्रिशक्ति कोर का पूर्ण युद्धक भार के साथ मार्च यह दर्शाता है कि भारतीय सेना केवल तकनीक पर निर्भर नहीं है। ड्रोन और स्मार्ट लॉजिस्टिक्स महत्त्वपूर्ण हैं, लेकिन जब तकनीक विफल हो जाए, तब भी सैनिकों की सहनशीलता, धैर्य और सामूहिकता ही निर्णायक साबित होती है। यह अभ्यास चीन को सीधा संदेश देता है कि भारत हिमालय की कठिनतम ऊँचाइयों पर भी हर स्थिति के लिए तैयार है।

दूसरी ओर, बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में समय-समय पर भारत-विरोधी स्वर उभरते हैं और चीन वहाँ अपनी पैठ बनाने की कोशिश करता है। ऐसे में पूर्वोत्तर की सीमाओं पर भारतीय सेना का शक्ति-प्रदर्शन यह स्पष्ट करता है कि भारत किसी भी अप्रत्यक्ष दबाव या सीमापार गतिविधि के प्रति सजग है।

'आइसक्रीम' बोला तो हो जाएगी सजा, उत्तर कोरिया के तानाशाह ने लगाया बैन

सियोल **(एजेंसी)**। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने हाल ही में अंग्रेजी और अन्य विदेशी शब्दों के सार्वजनिक उपयोग पर सख्त पाबंदी लगाने का निर्देश जारी किया है। इस कदम का मकसद पश्चिमी प्रभाव और दक्षिण कोरिया की भाषा संस्कृति के फैलाव को नियंत्रित करना बताया जा रहा है। विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां विदेशी पर्यटकों की आवाजाही है, जैसे वोनसान बीच साइड रिसॉर्ट, इस निर्देश को लागू किया जाना है। 'आइसक्रीम' शब्द को अब 'एसुकिमो' या 'ईओरुम्बोसुंगी'जैसे स्थानीय विकल्पों से कहा जाएगा। 'हैम्बर्गर' के स्थान पर 'दा जिन गोगी ग्योप्पंग' (शाब्दिक अर्थः 'दोहरा ब्रेड ३ ग्राउंड बीफ') कहा जाएगा। 'कराओके मशीन' को 'ऑन स्क्रीन कम्पेनिमेंट मशीन' नाम से पुकारा जाएगा। विशेष रूप से टूर गाइड्स जिन्हें वोनसान इलाके जैसे पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के साथ संवाद करना होता है, को विदेशी/अंग्रेजी शब्दों का उपयोग नहीं करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये गाइड्स कोरिया की वर्कर्स पार्टी के कैडर विभाग के अधीन एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हैं। अनुमान है कि इस कोर्स में लगभग 20 30 गाइड्स शामिल हैं।

खबरों में यह संकेत है कि निर्देश उल्लंघन करने वालों पर कार्य से वंचित करना या प्रशिक्षण प्रोग्राम से निकालना जैसी सजा हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि विदेशी मीडिया, टीवी शोज़ और फिल्मों के प्रसार के मामलों में कड़े कानून और कठोर सजा का प्रावधान है।

भाषा और शब्दावली के माध्यम से राष्ट्रीय पहचान को मजबूत बनाना। सरकार चाहती है कि भाषा में 'विदेशी प्रभाव' कम हो। दक्षिण कोरिया और पश्चिमी देशों से आने वाले भाषाई, सांस्कृतिक प्रभावों से जनता को दूर रखना, ताकि विचार नियंत्रण और संस्कृति पर स्थिर नियंत्रण संभव हो सके।

कार्की से मिले भारतीय राजदूत, पीएम मोदी की शुभकामनाएं व खास संदेश सौंपा

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव के बीच भारत और नेपाल के रिश्तों की नई शुरुआत हुई है। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने मंगलवार को सिंह दरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात की और उन्हें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आधिकारिक बधाई संदेश सौंपा।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया कि राजदूत श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री मोदी की शुभकामनाएँ पहुँचाते हुए यह संदेश दिया कि भारत और नेपाल के बीच पारंपरिक सहयोग और मैत्री के रिश्ते और मजबूत होंगे।मोदी ने कहा- 'भारत, नेपाल के साथ अपने गहरे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक रिश्तों को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें विश्वास है कि आपके नेतृत्व में दोनों पड़ोसी देश विकास और सहयोग के नए आयाम गढ़ेंगे।'

सुशीला कार्की रविवार को नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। उनका चयन उस समय हुआ जब पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पद छोड़ दिया।ओली को हाल के हफ्तों में भारी दबाव का सामना करना पड़ा था। भ्रष्टाचार के आरोप, सोशल मीडिया पर सरकारी पाबंदी और जेन-जेड युवाओं के बड़े विरोध-प्रदर्शन के कारण ओली की सरकार अस्थिर हो गई और आखिरकार उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।

आखिर चीनी असंतुष्ट ने अपराध स्वीकाराः अमेरिका में लोकतंत्र समर्थक बनकर की चीन के लिए जासूसी

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। अमेरिका के न्यूयॉर्क में चीनी असंतुष्ट समुदाय के एक सदस्य ने चीन की सरकार की ओर से अपने साथी कार्यकर्ताओं की जासूसी करने का अपराध मंगलवार को स्वीकार कर लिया। युआनजुन (68) तांग लंबे समय से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक रहे हैं। वह यहां मैनहट्टन वाणिज्य दूतावास के बाहर मासिक विरोध प्रदर्शनों में शामिल होते रहे हैं और उन्होंने फ्लशिंग, क्वींस में एक लोकतंत्र समर्थक गैर-लाभकारी संस्था की स्थापना की है, जहां वह 2002 से रह रहे हैं।

लेकिन मंगलवार को दर्ज किए गए इकबालिया बयान के अनुसार, वह जहां सार्वजनिक रूप से अपने देश की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, वहीं बीजिंग की खुफिया सेवा के आदेश पर चुपचाप अपने साथी चीनी अमेरिकी कार्यकर्ताओं के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहे थे। संघीय अभियोजकों ने पिछले अगस्त में भी तांग के खिलाफ आरोप लगाए थे। उनका मानना है कि उन्होंने चीन में अपने परिवार के सदस्यों से मिलने की अनुमति पाने के लिए ये स्वीकारोक्ति की है। उनके वकील को जानकारी के लिए किए गए ईमेल का जवाब नहीं मिला।

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)